संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 20
पृष्ठ 8
रविवार
06 अक्टूबर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- वेट लॉस टिप्स.....

विचार- जेल में जातीय जहर....

खेल- भारत और पाकिस्तान के....

अमेठी हत्याकांड: रायबरेली पुलिस की भूमिका की जांच के भी सीएम ने निर्देश दिए, परिजनों की सभी मांगे मानी

अमेठी हत्याकांड के पीड़ित परिजनों से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सरकारी आवास पर मुलाकात की। इस दौरान विधायक डॉ. मनोज पांडेय भी मौजूद रहे।

लखनऊ। (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को लखनऊ स्थित अपने सरकारी आवास पर अमेठी हत्याकांड के पीड़ितों से मुलाकात की और उन्हें मदद का भरोसा दिलाया। मुख्यमंत्री योगी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए पीड़ितों की सभी मांगों को मान लिया है साथ ही मामले में रायबरेली पुलिस की भूमिका की भी जांच के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पीड़ित परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी, पांच बीघा जमीन के साथ ही दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। सीएम योगी से पीड़ित परिजनों की मुलाकात के दौरान ऊंचाहार से विधायक डॉ. मनोज पांडेय भी मौजूद रहे। उन्होंने पहले भी कहा था कि पुलिस ने मृतक शिक्षक की पत्नी से हुई छेड़छाड़ के मामले को गंभीरता से नहीं लिया था सिर्फ मुकदमा दर्ज किया था। अगर उसी समय कड़ी कार्रवाई करती तो हत्याकांड को रोका जा सकता था। उन्होंने ये मुद्दा मुख्यमंत्री योगी के सामने भी उठाया। कहा जा रहा है कि इस पर ही मुख्यमंत्री योगी ने पुलिस की भूमिका की भी जांच के निर्देश दिए हैं। छेड़छाड़ का मुकदमा 18 अगस्त को दर्ज किया गया था। यहां बता दें कि अमेठी में शिक्षक सुनील, पत्नी पूनम और दो बच्चों की बृहस्पतिवार रात हत्या कर दी गई थी। हत्यारोपी चंदन वर्मा को एसटीएफ की टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। शुक्रवार सुबह आरोपी की पुलिस कर्मियों से मुठभेड़ भी हुई जिसमें उसके पैर में गोली लगी है। पुलिस कस्टडी में आरोपी ने दरोगा से पिस्तौल छीनकर फायरिंग मामले में पुलिस ने ध ारा 109 बीएस में एफआईआर दर्ज की है। अमेठी में दर्ज दोनों मुकदमों में पुलिस चंदन वर्मा को रिमांड पर लेगी। रायबरेली न्यायालय में सीओ तिलोई आरोपी को पेश कर 14 दिन की रिमांड की मांग करेंगे। मोहनगंज और शिवरतनगंज थाना में चंदन पर दो मुकदमे दर्ज है। सामूहिक हत्याकांड में साक्ष्य संकलन के लिए पुलिस रिमांड पर लेकर आरोपी से पूछताछ करेगी। इसके पहले आरोपी चंदन को अमेठी के गौरीगंज अस्पताल में एक्सरे के लिए लाया गया था। इस दौरान अस्पताल के आसपास भारी पुलिसबल की तैनाती रही। कंपोजिट स्कूल के शिक्षक, उनकी पत्नी और दो बेटियों के हत्यारोपी चंदन वर्मा को एसटीएफ ने शुक्रवार देर रात लखनऊ–आगरा एक्सप्रेसवे से गिरफ्तार किया।

बैंकों को नियमों को दरकिनार करने के लिए समूह इकाइयों का उपयोग नहीं करना चाहिए: RBI

मुंबई ।(एजेंसी) भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा कि बैंकों को उन पर लागू नियमों को दरकिनार करने के लिए समूह इकाइयों का इस्तेमाल करने से बचने की जरूरत है। केंद्रीय बैंक ने शुक्रवार को जारी व्यापार के स्वरूप और निवेश के लिए विवेकपूर्ण विनियमन पर एक मसौदा परिपत्र में यह सुझाव दिया। मसौदे में कहा गया, समूह की किसी इकाई का उपयोग मूल बैंक या अन्य समूह इकाई पर लागू नियमों, दिशानिर्देशों को दरकिनार करने के लिए नहीं किया जाना चाहिए, ताकि कोई ऐसी व्यावसायिक गतिविधि की जा सके, जिसकी आमतौर पर अनुमति नहीं है। परिपत्र में कहा गया कि इन इकाइयों को बैंक और उसकी समूह इकाइयों द्वारा दी जाने वाली ऋण गतिविधियों के दोहराव से बचना चाहिए। मसौदे में सुझाव दिया गया कि बैंकों को समूह इकाई के जरिये पहले से अनुमति प्राप्त गतिविधियों के अलावा कोई भी नयी गतिविधि शुरू करने के लिए आरबीआई के विनियमन विभाग से संपर्क करना होगा।

नवरात्रि में किसानों को बड़ा तोहफा, किसान सम्मान निधि की 18वीं किस्त जारी, PM बोले

जिसको कोई पूछता नहीं था, उसको मोदी पूजता है

नई दिल्ली(एजेंसी)। प्रध ानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कृषि और पशुपालन से संबंधित कई पहलों का शुभारंभ किया। उन्होंने पीएम किसान सम्मान निधि की 18वीं किस्त भी जारी की। इस अवसर पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और केंद्रीय ग्रामीण विकास तथा कृषि और किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान भी इस अवसर पर मौजूद रहे। अपने संबोधन के शुरूआत में मोदी ने कहा कि नवरात्रि के इस पावन अवसर पर मुझे प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 18वीं किस्त जारी करने का अवसर मिला। महाराष्ट्र की डबल इंजन सरकार यहां के किसानों को दोहरा लाभ दे रही है। पोहरादेवी के आशीर्वाद से मुझे अभी लाड़की बहन योजना की लाभार्थियों की मदद करने का अवसर मिला है, यह योजना नारी शक्ति का सम्मान बढ़ा रही है। नरेंद्र मोदी ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान ब्रिटिश सरकार ने इस पूरे समुदाय को अपराधी घोषित कर दिया था, लेकिन आजादी के बाद बंजारा समुदाय की देखभाल करना और उन्हें उचित सम्मान देना देश की जिम्मेदारी थी। उस समय कांग्रेस की नीतियों ने इस समुदाय को मुख्यधारा से अलग रखा। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद जिस परिवार ने कांग्रेस पार्टी को संभाला, उसकी मानसिकता शुरू से ही विदेशी थी। अंग्रेजी सरकार की तरह यह कांग्रेस परिवार भी दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों को अपने बराबर नहीं समझता। उन्हें लगता है कि भारत पर सिर्फ एक ही परिवार का शासन होना चाहिए, क्योंकि यह अधिकार उन्हें अंग्रेज देकर गए थे। पीएम ने कहा कि महाराष्ट्र के किसानों ने कई दशकों से बहुत बड़ा संकट झेला है। विपक्ष पर वार करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोगियों की सरकार ने किसानों को गरीब और बदहाल बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। जब तक महाअघाड़ी सरकार थी, उनके पास सिर्फ दो एजेंडे थे। पहला, किसानों से जुड़ी परियोजनाओं को रोकना और दूसरा, इन परियोजनाओं के पैसे से भ्रष्टाचार करना। हम केंद्र से परियोजनाओं के लिए पैसा भेजते थे, लेकिन वो उसे खा जाते हैं। हर चुनाव से पहले झूठे वादे करना कांग्रेस का एजेंडा है।

कांग्रेस की 10 पीढ़ियां भी आ जाएं तो... वोटिंग के बीच CM नायब सिंह सैनी का बड़ा बयान

हरियाणा (एजेंसी) ।हरियाणा के मुख्यमंत्री और लाडवा विधानसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार नायब सिंह सैनी ने लाडवा गुरुद्वारे में मत्था टेका। नायब सिंह सैनी ने कहा कि हमें लोगों का स्नेह, प्यार और आशीर्वाद मिल रहा है। पूरे प्रदेश और लाडवा में कमल खिल रहा है। हमने कांग्रेस की क्षेत्रवाद और परिवारवाद की राजनीति को खत्म कर दिया है। हमारी सरकार में हमने सबका साथ सबका विकास किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने 10 साल में जितना काम किया है, उतना कांग्रेस की 10 पीढ़ियां भी नहीं कर पाएगी। जैसा कि हरियाणा में आज विधानसभा चुनाव शुरू हो रहे हैं, मुख्यमंत्री और लाडवा निर्वाचन क्षेत्र के भाजपा उम्मीदवार नायब सिंह सैनी ने अपनी पार्टी की संभावनाओं के बारे में आशावाद व्यक्त किया। पत्रकारों से बात करते हुए, सैनी ने कहा, हमें बहुत प्यार मिल रहा है, पूरे राज्य में कमल खिल रहा है और लाडवा कोई अपवाद नहीं है। सैनी ने कांग्रेस पार्टी की आलोचना की और दावा किया कि वे भाई–भतीजावाद और भेदभाव की राजनीति करते हैं। उन्होंने कहा कि ड्डा साहब केवल एक विशेष वर्ग और क्षेत्र को देखते थे। हमारी सरकार में हमने सबका साथ, सबका विकास के लिए काम किया है,

नीतीश कुमार को भारत रत्न देने की उठी मांग, JDU नेता ने पटना की सड़कों पर लगाए पोस्टर

बिहार (एजेंसी)। शनिवार को पटना में जनता दल (यूनाइटेड) पार्टी कार्यालय के बाहर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को भारत रत्न से सम्मानित करने की मांग वाले पोस्टर देखे गए। पार्टी के एक नेता छोटू सिंह ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के लिए देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न की मांग वाले पोस्टर लगाने के बाद सुर्खियां बटोरीं। छोटू सिंह ने जदयू कार्यालय सहित पटना में ऐसे पोस्टर चिपकाए, जिसमें पार्टी के अन्य नेताओं और खुद के साथ नीतीश कुमार की प्रमुख तस्वीर थी। पोस्टर में लिखा था कि बिहार के प्रसिद्ध समाजवादी पुरुष मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को भारत रत्न से सम्मानित किया जाना चाहिए। यह राज्य में उनकी उपलब्धियों और योगदान को उजागर करने के पार्टी के प्रयास को दर्शाता है, खासकर समाजवादी आदर्शों और विकास पर केंद्रित नेता के रूप में। हालांकि पोस्टर और मांग छोटू सिंह की व्यक्तिगत पहल हो सकती है, लेकिन इस कदम को आगामी बिहार विधानसभा चुनाव से पहले, खासकर जद (यू) के भीतर, मुख्यमंत्री के लिए समर्थन जुटाने के प्रयास के रूप में भी देखा जा सकता है। जद (यू) नेतृत्व ने 2005 से लगातार नीतीश कुमार को बिहार के विकास के वास्तुकार के रूप में स्थान दिया है, अक्सर मुख्यमंत्री के रूप में उनके लंबे कार्यकाल पर प्रकाश डाला गया है, जो 19 वर्षों से अधिक का है। 2014 में एक संक्षिप्त रुकावट के बावजूद जब उन्होंने जीतन राम मांझी को भूमिका सौंपी, नीतीश कुमार बिहार के शासन में एक केंद्रीय व्यक्ति रहे हैं, जिन्होंने कई प्रमुख सुधारों और परियोजनाओं को लागू किया है,

उमर अब्दुल्ला ने दुष्प्रचार फैलाने के लिए जैसे ही कदम बढ़ाया, अमित शाह ने कर दी तगड़ी खिंचाई

जम्मू(एजेंसी)। जम्मू–कश्मीर में नयी सरकार बनने से पहले केंद्र शासित प्रदेश में अफवाहों और अटकलों का दौर शुरू हुआ है जिसको वहां के नेता ही हवा देकर आगे बढ़ा रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला जोकि इस बार हार के डर से दो विध ानसभा सीटों से चुनाव लड़े उन्होंने एक ट्वीट के जरिये दुष्प्रचार करना चाहा लेकिन केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ऐसा जवाब दिया कि उमर बगलें झांकने लगे। हम आपको बता दें कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इस बात को सिरे से खारिज कर दिया है कि जम्मू–कश्मीर में जल्द ही गठित होने वाली सरकार या मुख्यमंत्री की शक्तियों में कटौती करने का प्रयास किया जा रहा है। मंत्रालय ने कहा कि इस बात में रत्ती भर भी सच्चाई नहीं है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के कार्यालय ने जम्मू–कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की उस टिप्पणी के बाद यह कड़ा बयान जारी किया है जिसमें उमर ने केंद्र शासित प्रदेश के नौकरशाहों से कहा था कि वे आगामी निर्वाचित सरकार को 'और अधिक कमजोर' करने के किसी भी दबाव का विरोध करें। उमर अब्दुल्ला के सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर किए गए पोस्ट का जवाब देते हुए

'देखन नगरु भूपसुत आए। समाचार पुरबासिन्ह पाए।

धाए धाम काम सब त्यागी। मनहुँ रंक निधि लूटन लागी

प्रयागराज। रामलीला के अंतर्गत बाघंबरी क्षेत्र श्री राम लीला कमेटी में आज प्रभु की छटा देखते ही बन रही थी। ऋषि विश्वामित्र के कहने पर राजा दशरथ राम को विश्वमित्र को सौप देते हैं। सुबाहु और मरीक्ष को दंड देकर मिथिला के राजा महाराज जनक के निमंत्रण पर महर्षि विश्वामित्र श्री राम व लक्ष्मण के साथ ध ानुष यज्ञ देखने के लिए गौतम ऋषि आश्रम में अहिल्या का उद्धार करके जनकपुर पहुंचते हैं। 'बिप्रकाजु करि बंधु दोउ मग मुनिबधू उधारि। आए देखन चापमख सुनि हरषीं सब नारि ध पूरी मिथिला पुरी के जन जन प्रभु को निहारते हैं । 'देखन नगरु भूपसुत आए। समाचार पुरबासिन्ह पाएध धाए धाम काम सब त्यागी। मनहुँ रंक निधि लूटन लागी ध तद पश्चात गुरु की आज्ञा पाकर दोनों भाई पूजा के लिए फूल लेने पुष्प वाटिका में आते हैं, जहां पार्वती की पूजा करने आईं सीता और श्री राम का प्रथम मिलन होता है । 'प्राची दिसि ससि उयउ सुहावा। सिय मुख सरिस देखि सुख पावा ध बहुरि बिचारु कीन्ह मन माहीं। सीय बदन सम हिमकर नाहीं ।।' राम चंद्र जी मन में सिया का विचार करते हैं कि पूर्व दिशा में सुंदर चन्द्रमा उदय हुआ, श्री रामचन्द्रजी ने उसे सीता के मुख के समान देखकर सुख पाया। फिर मन में विचार किया कि यह चन्द्रमा सीताजी के मुख के समान है और चंद्र से सीता की छवि दिख रही ।यही दृश्य का वृतांत पूरी रात्रि चंद्रमा को निहारते बीत जाती हैं। संस्था द थर्ड बेल के कलाकारों द्वारा ये प्रस्तुति बेहद खूबसूरत रही। निर्देशक आलोक नायर ने बताया कि भारतीय सेना के कर्नल श्री कुमार के. एस. विश्वामित्र की भूमिका में रहे वही देवी अहिल्या के पात्र में जागृति ने बखूबी न्याय किया। साथ ही कलाकारों में राम के पात्र में अमितेश श्रीवास्तव, लक्ष्मण के पात्र में हर्षित पांडे, देवी भगवती सीता की भूमिका में अलका सिंह, राजा जनक अरुण शुक्ला, देवी सुनैना जूली बृज, शतानंद के पात्र में विनय त्रिपाठी रहे। बाकी कलाकारों में हर्षित केसरवानी, हेमंत, सिंह, अतुल वर्मा, नीरज मिश्र, निमिष, हर्षिता, श्वेता, इनके अलावा रामलीला कमेटी के अध्यक्ष श्री ओम नारायण त्रिपाठी, और सदस्य यदुनाथ द्विवेदी, सुरेंद्र पाठक, कुंज बिहारी मिश्र, सुधीर द्विवेदी, केशवनाथ, श्रीधर द्विवेदी, रामाश्रय दुबे, नरेंद्र शुक्ला, रामजी पांडेय, शैलेश चौधरी, हरेंद्र सिंह, पंकज पांडेय, विनोद पांडेय, सत्येंद्र सिंह, रामकृष्ण शुक्ला, रत्नेश दुबे, राजेंद्र तिवारी (दुकान जी) उपस्थित रहे।

महिला कांग्रेस से दिसम्बर तक जुड़ेगी 10 लाख महिलाएं: अलका लांबा

नयी दिल्ली (एजेंसी)। महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लांबा ने कहा है कि आधी आबादी को हक देना कांग्रेस की प्राथमिकता है जिसके कारण बड़ी संख्या में महिलाएं कांग्रेस से जुड़ रही है और उनका लक्ष्य दिसंबर तक 10 लाख महिला सदस्य बनाना है। श्रीमती लांबा ने शनिवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पार्टी के स्थापना दिवस पर एक पखवाड़ा पहले उनके संगठन ने महिला सदस्यता बनाने के अभियान की शुरुआत की थी और अब तक दो लाख से ज्यादा महिलाएं कांग्रेस से जुड़ गई है। इससे उत्साहित होकर उन्होंने दिसंबर तक 10 लाख महिलाओं को कांग्रेस से जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया है। उंन्होने कहा, "अखिल भारतीय महिला कांग्रेस ने 15 सितंबर को अपने स्थापना दिवस पर देशव्यापी सदस्यता अभियान की शुरूआत की थी। मुझे बताते हुए खुशी है कि मात्र 20 दिन में देश भर से लगभग दो लाख बहनों ने ऑनलाइन सदस्यता ग्रहण की। यह सिलसिला देश की आधी आबादी को राजनीति की धारा में शामिल करने के लिए जारी रहेगा।" महिला कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, "नारी न्याय के तहत देश की आधी आबादी को राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक न्याय देने का हमारा वादा है। देश के हर कोने से महिलाएं सदस्यता ग्रहण कर रही हैं। इस साल के अंत तक हम देश की 10 लाख महिलाओं को पार्टी और संगठन से जोड़ेंगे।

प्रयागराज में 10 साल की बच्ची का रेप-मर्डरः दरिंदे ने कनपटी कूंच दी, दोनों हाथ तोड़ेय शरीर पर 7 गहरे जख्म

प्रयागराज। प्रयागराज में 10 साल की मासूम बच्ची से दरिंदगी की कहानी शव के पोस्टमॉर्टम में साफ हो गई। क्लास–2 में पढ़ने वाली बच्ची से हैवानियत की हदें पार की गईं। बच्ची के दोनों हाथ मोड़कर तोड़े गए। चोट के कई निशान भी हैं। ऐसा लग रहा कि बच्ची खुद को बचाने के लिए दरिंदे से जूझी थी। बच्ची जब विरोध ा कर जूझती रही तो उसे नृशंस तरीके से मारा गया। यानी सिर में घाव के साथ हाथ मोड़कर तोड़ा, फिर जमीन में पटका गया। इसी वजह से उसकी कनपटी पर घाव बना। बच्ची का दायां और बायां हाथ पूरी तरह तोड़ दिया गया है। उसके सिर पर गंभीर वार हुए हैं। एक तरह से जिस हिस्से में वार हुआ उसे कूंच देने जैसा हाल किया गया। उसके शरीर पर 7 गंभीर घाव हैं। छोटी मोटी खरोंच अलग हैं। बच्ची के स्वाब की स्लाईड प्रिजर्व की गई है ताकि आगे विधि विज्ञान प्रयोगशाला भेजी जा सके। पुलिस अधि ाकारियों को इसकी भी रिपोर्ट का इंतजाम है। लेकिन, घटनास्थल से लेकर क्राइम सीन और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से रेप के बाद नृशंस हत्या की कहानी साफ है। गैंगरेप की बात इसलिए नहीं कही जा सकती, क्योंकि ऐसा कोई सबूत नहीं है। लेकिन, जिस तरह से बच्ची को मारा गया, उससे एक्सपर्ट इनकार नहीं कर रहे कि वारदात में एक से ज्यादा दरिंदे शामिल हो सकते हैं। शुक्रवार शाम तीन डॉक्टरों के पैनल, फोरेंसिंग टीम के सामने वीडियोग्राफी, फोटोग्राफी कराने के बाद बच्ची के शव का पोस्टमॉर्टम किया गया। स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल में बच्ची के परिजन आए। दैनिक भास्कर रिपोर्टर ने उनसे बात करना चाहा तो परिजन बोले– पुलिस अधि ाकारियों को सब बता दिया है। उनसे बात कर ही कोई बयान देंगे ताकि आरोपियों को इसका फायदा न पहुंच जाए। हालांकि क्ब्ब गंगा नगर कुलदीप गुणावत का कहना है कि जांच की जा रही है। अभी साफ तौर पर कुछ नहीं कहा जा सकता। पुलिस टीमें कई गांवों में छापेमारी, पूछताछ में जुटी हैं। उन्हें इस नृशंस हत्याकांड पर अफसरों को रिपोर्ट देनी है। 24 घंटे बाद यानी 6 अक्टूबर को ब्ड योगी आदित्यनाथ का प्रयागराज दौरा है। पुलिस अधि ाकारी परेशान हैं कि उससे पहले मामला खोल दिया जाए। योगी के कार्यक्रम की तैयारियों और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने शुक्रवार दोपहर परेड मैदान पहुंचे पुलिस कमिश्नर, क्ड और कमिश्नर। प्रयागराज में 10 साल की बच्ची की हत्या कर दी गई। 16 घंटे से वह लापता थी। शुक्रवार यानी 4 अक्टूबर की सुबह 10 बजे घर से 200 मीटर दूर धान के खेत में शव मिला। शरीर पर कपड़े नहीं थे। गांव वालों ने रेप के बाद हत्या की आशंका जताई। पूरा मामला सोरावं थाने के एक गांव का है। बच्ची का शव मिलने की सूचना पर पुलिस और फोरेंसिंक टीम मौके पर पहुंची। पुलिस की मुताबिक, बच्ची के सिर और हाथ में चोट के निशान हैं। घटनास्थल से कई सबूत जुटाए हैं। पुलिस ब्ब्ज्ट भी खंगाल रही है। परिजनों के मुताबिक– बच्ची गुरुवार शाम को 6.30 बजे घर से दवा लेने के लिए निकली थी। काफी देर बाद जब वह नहीं लौटी, तो पहले घर में पूछताछ की। मगर कुछ पता नहीं चला। इसके बाद हम लोग पूरे गांव में खोजने लगे, लेकिन किसी ने कोई जानकारी नहीं दी। रिश्तेदारों को भी फोन किया। मगर उन्होंने भी बच्ची के बारे में जानकारी से इनकार कर दिया। खोजते–खोजते जब गांव लौटे तो एक गांव वाले ने बताया कि तुम्हारी बेटी तो दुर्गा पंडाल देखने गई है। हम लोग दुर्गा पंडाल में भी बेटी को खोजने गए, लेकिन वहां भी नहीं मिली। थक–हारकर घर आ गए। परिजनों ने मुताबिक– हम लोग सुबह–सुबह बेटी की गुमशुदगी दर्ज कराने निकलने वाले थे कि कुछ गांव के लोग पहुंचे। कहा– थोड़ी दूर पर एक लाश मिली है। हम लोग वहां पहुंचे। देखा तो धान के खेत के पास काफी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ लगी है। वहां बेटी का शव पड़ा था। बच्ची के सिर और हाथ पर चोट के निशान थे। उसके साथ जरूर गलत काम किया गया होगा। मामा ने बताया– बच्ची के शरीर पर कपड़े नहीं थे। पुलिस ने चेहरा नहीं देखने दिया। चेहरा धान से ढका था। सिर पर चोट लगी थी। वहीं, ईंट भी पड़ी थी। पुलिस ने हमें वहां नहीं जाने दिया। मामा ने बताया– वह तीन भाई–बहनों में दूसरे नंबर पर थी। भाई बड़ा है। बच्ची के पिता को स्पाइनल की परेशानी है। रोज इंजेक्शन लगता है। बच्ची इंजेक्शन लेने के लिए मेडिकल स्टोर गई थी।

हवाई जहाज से साल स्लीपर देखने गए अफसरों की रिपोर्ट भी हवा-हवाई, पुल के निर्माण में हो सकती है देरी

प्रयागराज। महाकुंभ के लिए हवाई जहाज से साल स्लीपर की उपलब्धता जांचकर रायपुर से लौटे पीडब्ल्यूडी अधिकारियों की रिपोर्ट कोरी प्रतीत हो रही है। इसमें एसई और एक्सईएन ने 35,100 साल स्लीपर और 4,500 साल एजिंग होने का दावा किया था। लेकिन, इनकी 45 दिन बाद भी आपूर्ति नहीं हो सकी। इससे पांटून पुलों के निर्माण में देरी की आशंका ने चिंता की लकीरें गहरा दी हैं। 13 जनवरी से शुरू हो रहे महाकुंभ में इस बार 40 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है। योगी सरकार ने यहां विश्वस्तरीय सुविधाएं प्रदान करने की ठानी है। इसी कड़ी में गंगा पर 30 पांटून पुलों का निर्माण होना है। इसके लिए 9300 घनमीटर साल स्लीपर और साल एजिंग (गोल वाली लकड़ी) की आपूर्ति का

ठेका रायपुर की पांच टिंबर कंपनियों को दिया गया है। आपूर्ति के लिए अनुबंधित पांच कंपनियों में मेसर्स धोरमनाथ ट्रेडर्स, अनमोल टिंबर्स, नथानी टिंबर्स,केएन पटेल एंड कंपनी और मेसर्स धोरमनाथ ट्रेडिंग कंपनी के नाम शामिल हैं। ये कंपनियां शुरू से ही आपूर्ति को लेकर सवालों के घेरे में हैं। पिछले पखवारे भर से लकड़ी का भंडारण न होने की वजह से पासिंग प्रभावित हो गई है। बीते चार दिनों में वन निगम के अधिकारियों की अनुपस्थिति में पीडब्ल्यूडी की एक्सपर्ट टीमों ने एकतरफा परीक्षण किया है। लकड़ी का भंडारण खत्म होने के संकट के बीच अधीक्षण अभियंता (एसई) देवेंद्र सिंह और अधिशासी अभियंता (एक्सईएन) सुरेंद्र सिंह की मेलाधिकारी और प्रमुख सचिव को बीते 21 अगस्त को भेजी गई लकड़ी की उपलब्धता संबंधी निरीक्षण आख्या चर्चा में है। इस रिपोर्ट में एसई और एक्सईएन ने ठेका लेने वाली पांचों कंपनियों की 27 आरा मशीनों पर 35,100 साल स्लीपर, 4,500 साल एजिंग को मिलाकर 4350 घनमीटर लकड़ी की उपलब्धता बताई गई है। इसी तरह 4,500 घनमीटर साल वुड की उपलब्धता की रिपोर्ट दी गई है। लेकिन, रिपोर्ट दिए 45 दिन बीत गए और शुक्रवार शाम तक 24,792 साल स्लीपर की आपूर्ति ही संभव हो सकी है। सवाल उठ रहे हैं कि हवाई यात्रा के बाद एसई और एक्सईएन ने रायपुर की आरा मशीनों पर जो साल स्लीपर तैयार बताए थे, वह कहां गए। पांच नवंबर तक इन कंपनियों को 9,300 घनमीटर साल स्लीपर की आपूर्ति करनी है। लकड़ी उपलब्ध नहीं होने से ठेका कंपनियों को भटकना पड़ रहा है। रायपुर से लाई जा रही साल स्लीपर की खेप में से 42.30 घनमीटर लकड़ी मानक के विपरीत पाए जाने पर रिजेक्ट कर दी गई है। हालांकि, इसके बाद भी कटी–फटी और अंडर साइज्ड लकड़ियां स्टोर में रखवा ली गई हैं। कहा जा रहा है कि तुरंत इसकी जांच हो जाए तो आपूर्ति की सच्चाई सामने आ जाएगी। जो रिपोर्ट मैंने दी है, उसमें अंतर नहीं आएगा। रायपुर में लकड़ी पर्याप्त है। जिन कंपनियों को ठेका दिया गया है, वह आपूर्ति कर रही हैं। समय पर काम पूरा हो जाएगा।

मनकामेश्वर मंदिर के महंत से कहा- डीएम बोल रहा हूं, सचिव जो कहे उसे कर दीजिए

प्रयागराज। जिलाधिकारी बनकर मनकामेश्वर मंदिर के मंहत से धोखाधड़ी करने की कोशिश की गई। पहले खुद डीएम बनकर बात की और फिर निजी सचिव बनकर कहा कि डीएम साहब के गृह जनपद में मंदिर बन रहा है, इसमें सहयोग दीजिए। चौंकाने वाली बात यह कि महंत के मोबाइल स्क्रीन पर डीएम के सीयूजी नंबर से कॉल आई। पुलिस अज्ञात में रिपोर्ट दर्ज कर जांच में जुटी है। मनकामेश्वर मंदिर के आचार्य रामचंद्र शुक्ला की ओर से इस मामले में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। उन्होंने पुलिस को बताया कि दो अक्तूबर को दोपहर 03: 37 मिनट पर जिलाधिकारी के अधिकृत मोबाइल से एक कॉल मंदिर के महंत श्रीधरानन्द ब्रह्मचारी महाराज के पास आई। उनके मोबाइल में डीएम का नंबर सेव था, ऐसे में उन्होंने कॉल रिसीव कर ली। फोन उठाते ही दूसरी ओर से खु को जिलाधिकारी प्रयागराज बताकर पहले हालचाल लिया। फिर कहा कि हमारा निजी सचिव कुछ बोलेगा, उसको देख लीजिएगा। इसके बाद शाम चार बजे एक अंजान नंबर से कॉल आई। फोन करने वाले ने कहा कि जिलाधिकारी से आपकी बात हुई है। इस संबंध में यह कहना है कि उनके गृह जनपद में एक मंदिर बनाया जा रहा है। इसमें आप सहयोग करिये और इतना कहकर फोन काट दिया। कुछ देर बाद दोबारा फोन आया। इस बार महंत के पूछने पर फोन काट दिया जाता है। थोड़ी देर बाद एक अन्य नंबर से कॉल आई, जिसमें वह अपना नाम प्रवीण बताता है। जब उससे पूछा जाता है कि किस प्रकार का सहयोग मांग रहे हो, तो वह फिर फोन काट देता है। मामला संदिग्ध लगने पर इस मामले की लिखित शिकायत कीडगंज थाने में की गई। जिस पर धोखाधड़ी की धाराओं में अज्ञात में एफआईआर दर्ज कर ली गई।

6 साल से कोई FIR नहीं तो गुंडा एक्ट कैसेःहाईकोर्ट ने गाजियाबाद के वाहिदन के खिलाफ रद्द की जिला बदर करने की कार्यवाही

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि जिस व्यक्ति पर पिछले 6 वर्षों में एक भी मुकदमा दर्ज नहीं हुआ उस पर गुंडा एक्ट के तहत कार्यवाही कैसे की गई। कोर्ट ने कहा कि अस्पष्ट व अपर्याप्त आरोपों के आधार पर किसी की स्वतंत्रता नहीं छीनी जा सकती है। गुंडा एक्ट की कार्रवाई को रद्द करते हुए कोर्ट ने कहा कि याची पर दर्ज तीनों मामलों में गवाह बिना किसी डर के न्यायालय के समक्ष उपस्थित हुए और साक्ष्य दिए, तो यह कैसे कहा जा सकता है कि याची के आतंक से कोई भी व्यक्ति गवाही देने के लिए आगे नहीं आया। कोर्ट ने कहा कि विवादित आदेशों को पारित करने में प्राधिकारियों ने मैकेनिकल तरीके से काम किया है। उन्होंने न्यायिक विवेक का उपयोग नहीं किया। यह आदेश न्यायमूर्ति नलिन कुमार श्रीवास्तव ने वाहिद उर्फ अब्दुल

वाहिद की याचिका पर दिया। गाजियाबाद के थाना वेव सिटी में वाहिद पर गुंडा एक्ट में मुकदमा दर्ज किया गया। बीट सूचना में पुलिस अधिकारी ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि याची एक खूंखार अपराधी है, जो कई अपराधों में शामिल है। उसका इतना खौफ है कि उसके खिलाफ कोई भी रिपोर्ट दर्ज कराने की हिम्मत नहीं करता है। उसे जिले में खुला छोड़ना जनहित में नहीं था। इसके बाद अपर पुलिस आयुक्त, कमिश्नरेट गाजियाबाद ने 10 अप्रैल 2024 को निष्कासन आदेश पारित कर दिया। आयुक्त, मेरठ मंडल के समक्ष उक्त आदेश के खिलाफ दायर याची की अपील भी विफल हो गई। इसके बाद याची ने हाईकोर्ट में अर्जी दाखिल की। याची के वकील ने दलील दी कि दोनों प्राधिकारियों ने याचिकाकर्ता को जिला बदर करने के आदेश में घोर त्रुटि की है। याची पर सिर्फ तीन मामले दर्ज हैं। कुछ लोगों ने दुश्मनी में दर्ज कराए हैं। याची ने कोई जघन्य अपराध ा नहीं किया गया है और उसके खिलाफ दर्ज आपराधिक मामले व्यक्तिगत प्रकृति के हैं। वर्ष 2016 में याचिकाकर्ता के खिलाफ दो आपराधिक मामले दर्ज होने के बाद, लगभग छह वर्षों तक उसने कोई और अपराध ा नहीं किया। वह बेदाग रहा था। दिनांक 5 अक्तूबर 2008 की बीट जानकारी में भी कोई विशिष्ट विवरण शामिल नहीं है। याचिकाकर्ता की व्यक्तिगत स्वतंत्रता को अधिकारियों ने मनमाने ढंग से लागू आदेशों के माध्यम से खतरे में डाल दिया गया है। कोर्ट ने दलीलों को सुनने व तथ्यों अवलोकन करने के बाद याचिका स्वीकार करते हुए दोनों प्राधिकारियों के आदेश को रद्द कर दिया।

डिप्टी मैनेजर ने चुराए चेक, 7 लाख 30 हजार निकालेः प्रयागराज में बैंककर्मी और उसके 4 साथी अरेस्ट, कारोबारी के रुपए से खरीदी सवा लाख की चेन

प्रयागराज। प्रयागराज में बैंकिंग की धोखाधड़ी का एक अजीब मामला सामने आया है। आईसीआईसीआई बैंक में कारोबारी राजेश केसरवानी का बैंक एकाउंट हैं। लेनदेन लंबा रहता है, ऐसे में बैंक का डिप्टी मैनेजर चेकबुक आदि के बारे में जानता था। डिप्टी मैनेजर ने ऐसा किया कि सिग्नेचर करा हुआ चेक किसी बहाने अपने पास रख लिया। इसके बाद शाति ने अपने तीन साथियों की मदद से 7.30.000 रुपये चेक लगाकर साथियों की मदद से दूसरे खाते में ट्रांसफर कर लिए।

इसके बाद उस खाते की चेकबुक, एटीएम के जरिय रुपये निकाल लिए। डिप्टी मैनेजर ने साथियों को भी खूब रकम दी। डिप्टी मैनेजर ने सवा लाख की तो सोने की चेन ही खरीद ली। अंत में गुत्थी सुलझाती पुलिस बैंक के डिप्टी मैनेजर तक पहुंच गई तो चारों अरेस्ट हो गए। रुपये, चेन, बैंक पासबुक, एटीएम कार्ड आदि बरामद हो गए। प्रयागराज के सरायममरेज थाना क्षेत्र के सोरा कटरा बाजार के रहने वाले राजेश कुमार केशरवानी पुत्र रमाकांत केशरवानी अनाज खरीदने एवं बेचने का कारोबार है। प्ब्ब बैंक की फूलपुर ब्रांच उनका खाता है। बैंक के डिप्टी मैनेजर बलराम यादव के पास उनकी चेकबुक थी। डिप्टी मैनेजर ने चेक बुक की 01 हस्ताक्षरित चेक फाड़कर अपने पास रख ली। इसके बाद अपने साथियों के जरिये सेटिंग की। खुद ही एक खाता शहर में खुलवाया। फिर उस चेक को खाते में लगाकर 7.30.000 रुपये ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद दूसरे एकाउंट के एटीएम कार्ड आदि के जरिये रकम निकाल बांटनी शुरू कर दी। कारोबारी को इतनी रकम की धोखाधड़ी का शक हुआ तो मामले की रिपोर्ट सरायममरेज थाने में दर्ज की गई। डीसीपी गंगानगर कुलदीप सिंह गुणावत के मुताबिक, पुलिस ने जांच शुरू की। रुपये ट्रांसफर होने वाले खाते की जांच हुई तो पता गलत निकला। इसके बाद भी पुलिस जांच में जुटी रही। एटीएम से रुपये निकाले जाने की डिटेल लेकर वहां के सीसीटीवी देखे गए तो एक साथी पकड़ा गया। इसके बाद पूरी कहानी खुल गई।

अखाड़ा परिषद की बैठक में अफसरों पर भड़के संत, बोले- अधिकारी बेलगाम, सीएम की भी नहीं सुन रहे

प्रयागराज। दारागंज स्थित पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी में अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद की बैठक में कई प्रस्ताव पारित किए गए। प्रमुख रूप से लव जिहाद, संतों की सुरक्षा, गो हत्या का प्रतिबंध, कुंभ मेला क्षेत्र को हरा भरा और स्वच्छ बनाने सहित कुंभ मेले के दौरान सभी की सुरक्षा पर सरकार की ओर से विशेष ध्यान दिया जाए। अखाड़े की बैठक में निर्णय लिया गया कि अबकी बार के कुंभ में शाही और पेशवाई जैसे नाम नहीं होंगे। आपसी सहमति से नया नाम जल्द ही सरकार को दिया जाएगा। मांगे नहीं माने जाने पर मेले का बहिष्कार करने का निर्णय लिया गया। संतों ने अधिकारियों के खिलाफ सीएम से शिकायत करने का फैसला किया। कहा कि अफसर बेलगाम हो गए हैं वह सीएम की भी नहीं सुन रहे हैं। अखाड़े की बैठक में बड़े संतों को भारत रत्न देने का प्रस्ताव पास किया गया। बैठक में फर्जी संतों की कुंभ मेला क्षेत्र में प्रतिबंध के साथ पूर्ण बहिष्कार की भी घोषणा की गई। सभी तेरह अखाड़े की संतों को सरकार की ओर से विशेष सुरक्षा की मांग की गई। अखाड़ा परिषद की ओर से सभी अखाड़ों से अनुरोध किया गया कि अपने संतों को आई कार्ड भी उपलब्ध ा कराएं जिससे सभी संतों की पहचान हो सके। अखाड़ा परिषद की बैठक में संतों की समस्याओं पर चर्चा की गई। साधु–संतों ने कहा कि सभी अखाड़ों को बराबर बजट आवंटित हो। बड़ा उदासीन,निर्मल अखाड़े के सामने सड़क खराब होने से छावनी में आने जाने वालों को परेशानी हो रही है। मेला क्षेत्र में पानी होने के कारण कामकाज प्रभावित हो रहा है। प्रदेश में संत के सीएम होने के बावजूद अखाड़े की मांग अभी तक पूरी नहीं हो सकी है। संतों ने सभी अखाड़ों को पांच–पांच करोड़ रुपये देने की मांग की। संतों ने कहा कि कुंभ मेले में पूरी छावनी सरकारी होनी चाहिए। संतों ने अधिकारियों की कार्यशैली पर असंतोष जताया। कहा कि अधिकारी सीएम योगी के भी नियंत्रण में नहीं है। अधिकारी अखाड़े के संतों से मुलाकात तक नहीं कर रहे हैं। यह घोर चिंता का विषय है।

प्रयागराज में डेंगू का खतरा, अब तक 87 मरीजः गांव की अपेक्षा शहरी इलाके में ज्यादा मिले रहे संक्रमित, सड़क पर फैला है कूड़ा

प्रयागराज। प्रयागराज में डेंगू का खतरा लगातार बढ़ रहा है। अभी तक डेंगू के 87 मरीज मिल चुके हैं जो एलाइजा जांच में संक्रमित मिले हैं। इन मरीजों में ज्यादातर शहरी क्षेत्र के रहने वाले हैं। शहरी क्षेत्र में अभी तक 64 तो ग्रामीण क्षेत्र में 23 मरीज

मिल चुके हैं। यहां प्रतिदिन 6 से 8 मरीज नए मिल रहे हैं। डेंगू संक्रमित होने वाले ज्यादातर मरीजों की उम्र लगभग 25 से 50 वर्ष तक की है। दरअसल, शहरी क्षेत्र में ज्यादा डेंगू के केस मिलने की वजह यहां की सफाई व्यवस्था और छिड़काव न होना भी है। जगह–जगह कूड़ेद का ढेर लगे रहते हैं लेकिन नगर निगम सफाई तक नहीं करा पा रहा है। मम्फोर्डगंज स्थित सेंट जोसेफ गर्ल्स कॉलेज के ठीक बगल में काफी दिनों से कूड़ा कचरा फेंका जा रहा है। जबकि यहां बीमारी का खतरा सबसे ज्यादा है।

शास्त्री पुल से प्रेमिका ने लगाई गंगा में छलांग, प्रेमी को बचाया गया. मचा हड़कंप

प्रयागराज।शास्त्री ब्रिज पर जान देने की नीयत से पहुंचे प्रेमी युगल में से युवती ने गंगा में छलांग लगा दी। उधर, युवक को राहगीरों ने पकड़ लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस देर रात तक उससे पूछताछ में जुटी रही। युवती का कुछ पता नहीं चला। सुबह फिर

उसकी तलाश कराई जाएगी। राहगीरों के मुताबिक शुक्रवार रात आठ बजे के करीब एक 21 वर्षीय युवक साइकिल से शास्त्री ब्रिज पर पहुंचा। कुछ देर बाद 19–20 साल की युवती भी आ गई। दोनों कुछ देर तक बातचीत करते रहे और फिर अचानक युवती ने रेलिंग पर चढ़कर नदी में छलांग लगा दी। यह देख आसपास के लोग दौड़े। उधर, युवती के बाद युवक भी रेलिंग पर चढ़ गया, लेकिन छलांग लगाने से पहले ही उसे राहगीरों ने पकड़ लिया। इस पर वह चीखने लगा कि उसे नहीं जीना है। हालांकि, इसी दौरान सूचना पर पुलिस पहुंच गई। पहले उसे झूंसी थाने ले जाया गया, फिर घटनास्थल निध ारित होने पर दारागंज पुलिस के हवाले कर दिया गया। सूत्रों के मुताबिक युवक ने पूछताछ में अपना नाम आदर्श तिवारी निवासी छिबहिया झूंसी बताया है। युवती का नाम शिवानी और उसे अपनी प्रेमिका बताया। यह भी बताया कि वह जान देने की नीयत से शास्त्री ब्रिज पर पहुंचे थे। यह भी बताया जान देने का फैसला इसलिए किया। क्योंकि, उनके रिश्ते को स्वीकार करने को कोई राजी नहीं था। दारागंज थाना प्रभारी ज्ञानेश्वर मिश्र ने बताया कि जल पुलिस ने तलाश की, लेकिन युवती का कुछ पता नहीं चला। सुबह एक बार फिर उसकी खोजबीन की जाएगी। युवक से पूछताछ की जा रही है।

दोषी ठहराने के लिए मृत्यु पूर्व बयान का सत्यापन जरूरी, हत्यारोपी पति समेत पांच बरी

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दहेज हत्या में उम्रकैद की सजा पाए पति समेत पांच को बरी कर दिया। कहा कि दहेज हत्या के मामले में आरोपी को दोषी ठहराने के लिए मृत्यु पूर्व बयान का सत्यापन जरूरी है। इसके विधिवत सत्यापन के अभाव के सजा नहीं सुनाई जा सकती। यह फैसला न्यायमूर्ति अश्विनी कुमार मिश्रा और

न्यायमूर्ति डॉ.गौतम चौध ारी की खंडपीठ ने भदोही के सिंटू आदि की ओर से आदि के खिलाफ दाखिल अपील को स्वीकार करते हुए सुनाया। ट्रायल कोर्ट ने आरोपियों को आजीवन कारावास और प्रत्येक को 50 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई थी। ल कर झुलस गई थीं। मीरा के भाइयों महेंद्र और संतोष ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। आरोप लगाया था कि ससुराल में झगड़ा होने पर ससुर, सास और जीजा ने बहन पर केरोसिन डालकर आग लगा दी। मृत्यु पूर्व बयान में मीरा ने कहा था कि देवर आकाश और सिंटू पुत्र हिंचलाल ने शाम छह बजे आग लगाई थी। दो दिन बाद उनकी मृत्यु हो गई। एसडीएम के निर्देश पर तहसीलदार सुनील कुमार उसका बयान लेने पहुंचे थे। उनका कहना है कि बयान उनके सामने कानूनगो ने लिखा और उस वक्त परिवार के लोग मौजूद थे। ट्रायल कोर्ट ने मीरा के मृत्यु पूर्व बयान के साथ ही अन्य साक्ष्यों पर भरोसा करते हुए सजा सुनाई थी। इसके खिलाफ हाइकोर्ट में दाखिल अपील की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पाया कि मुख्य परीक्षण में उनका कहना था कि मृत्यु पूर्व बयान दर्ज करने से पहले डॉक्टर ने प्रमाणित किया था कि मीरा मानसिक रूप से ठीक थीं। खंडपीठ ने कहा कि याचियों के बारे में मीरा का मृत्युपूर्व बयानभर है। घटना के समय उसका पति दिल्ली में था। कोई प्रत्यक्षदर्शी नहीं है। तहसीलदार ने स्वयं बयान लिखने की बात स्वीकार नहीं की थी। इसे लिखने वाले कानूनगो से अभियोजन पक्ष की ओर से कभी भी पूछताछ नहीं की गई थी। पीड़िता ने स्थानीय बोली में बयान दिया था। उसका बयान लेखक ने अनुवाद किया था, इसलिए उसे जिरह के लिए गवाह के रूप में पेश किया जाना आवश्यक था। यदि उसे गवाही के लिए बुलाया गया होता तो बचाव पक्ष को उससे जिरह का अवसर मिलता। ऐसा नहीं करने से बचाव पक्ष को प्रति परीक्षण का अवसर भी नहीं मिला।

तेजपुर में काव्य गोष्ठी का आयोजन

तेजपुर । पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी तेजपुर, असम (भारत) द्वारा हाल ही मे तेजपुर में परिसंवाद एवं काव्य गोष्ठी का आयोजन किया। इस अवसर पर नेपाल से नेपाली कला–साहित्य डट कम प्रतिष्ठान काठमांडू के अध्यक्ष मोमिला जोशी के अगुवाई में चार प्रतिनिधि मंडल सहित तेजपुर पहुचें। ज्ञातव्य हो कि पूहिंसाअ, तेजपुर, असम भारत और नेपाली कला–साहित्य डट कम प्रतिष्ठान, काठमांडू ने दोनों देशो के बीच सहित्यिक व सांस्कृतिक आदान–प्रदान हेतु दोनों संस्थाओं के अध्यक्षो ने एक एम ओ यू पर हस्ताक्षर किए। दोनों देशो के बीच उत्कृष्ट कविताओं का हिंदी और नेपाली भाषा में अनुवाद से इसकी शुरुआत होगी। संस्थापक अध्यक्ष

रीता सिंह सर्जना की अध्यक्षता में

नेपाल से से पधारे अतिथियों का स्वागत फूमाम गामोछा से किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. गोमा देवी शर्मा ने किया तथा स्वागत भाषण पाठ कल्पना देवी आत्रेय ने किया। अतिथि मोमिला जोशी के कर कमल द्वारा दीप प्रज्ज्वलित गया। इस अवसर पर नेपाल से पधारे अतिथि साहित्यकार मोमिला जोशी ने अपने सारगर्भित वक्तव्य में कविता के विभिन्न पहलू पर डाला तो वही साहित्यकार राजेश्वर कार्की जी ने नेपाली कविता पाठ किया, महेश पौड्याल ने नेपाली कलासाहित्य डट कम प्रतिष्ठान, काठमांडू द्वारा किए गए साहित्यिक कार्य की जानकारी देते हुए कहा कि नेपाल में सबसे ज्यादा प्रतिनिधि कविताओं का संग्रह इसी संस्था द्वारा प्रकाशित है और देश के साथ विदेश की रचनाकारों को भी समेटा है। इसके बाद उन्होंने नेपाली भाषा में दो छोटी –छोटी कविताओं का पाठ किया। वरिष्ठ साहित्यकार एवं शिक्षाविद हरिप्रसाद पोखरेल श्मानसाग्निश ने आज के कवि के प्रगति पर अपना विचार व्यक्त करते हुए अपनी हिंदी कविता का वाचन कर सभी का ध्यान आकृष्ट किया। इस अवसर पर डॉ. गोमा देवी शर्मा की लोककथा पुस्तक ष्ईशान आलोकष का लोकार्पण किया गया।तत्पश्चात स्थानीय कवि महीम आचार्य, कमल सेढाई,विशाल के सी, अनूप शर्मा तथा जयंत आचार्य ने नेपाली कविता का वाचन किया तथा मृदुल सहरिया और कल्पना देवी आत्रेय ने असमीया कविता पाठ किया।अंत में रीता सिंह श्सर्जनाश ने अपने उद्बोधन में कहा कि कविता किसी सीमा को बांध नहीं सकती, यही कारण है कि आज हमारा साहित्य इससे अछूता नहीं है। भारत नेपाल के साहित्यकारों बीच अच्छी पहल की शुरुआत आज हुई है जिसे मिलकर हमें सार्थक रूप देना हैं। तत्पश्चात सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

जिला वॉलीबाल संघ के पदाधिकारियों व खिलाड़ियों ने की शोक सभा.

प्रयागराज। यू.पी.एक्साइज वॉलीबाल टीम के वरिष्ठ खिलाड़ी राजित राम शुक्ला के ज्येष्ठ भ्राता चन्द्रमणि शुक्ला का गत दिवस अचानक हृदय गति रुक जाने के कारण निधन हो गया,जिससे पूरा परिवार शोक संतप्त है। दुख की इस घड़ी में जिला वॉलीबाल संघ की ओर से शनिवार को स्थानीय सिविल लाइंस स्थित प्रधान डाकघर के मनोरंजन क्लब में एक शोक सभा आहूत की गई। शोक सभा एसोसिएशन के चेयरमैन जॉर्डन.एच.नाथ की अध्यक्षता में संपन्न हुई। उक्त अवसर पर डिस्ट्रिक्ट वॉलीबाल एसोसिएशन के पदाधिकारीयों के साथ–साथ कई वरिष्ठ एवं भूतपूर्व खिलाड़ियों ने उपस्थित होकर मृत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर ईश्वर से प्रार्थना की। प्रार्थना स्थल पर मुख्य रूप से डिस्ट्रिक्ट वॉलीबाल एसोसिएशन प्रयागराज के अवैतनिक महासचिव आर.पी. शुक्ला के अतिरिक्त अध्यक्ष प्रभात राय, कोषाध्यक्ष के.बी.एल. श्रीवास्तव, संगठन सचिव प्रमोद कुमार राय, के.पी.सिंह, फूलचंद गुप्ता, वाई.एन.सिंह, उमाकांत तिवारी, कुशलकांत मिश्रा, पंकज शुक्ला, प्रभाकर चौबे, अल्ताफ अली, मुकेश शुक्ला, अशफाक अहमद, विकास वाल्मीकि, रवि वर्मा, संतोष भास्कर, विनोद कुमार यादव, आर.पी.राय, विवेक, रामाश्रय राय, हरि सिंह, सत्येंद्र पांडेय, नीरज श्रीवास्तव, बर्फी लाल यादव, सियाराम, आशीष, ठाकुर प्रसाद, राम स्नेही, प्रभंजन शर्मा, राजेश वर्मा, अंकित विश्वकर्मा, राजेंद्र पाल, ए.के.सचान, नृपजीत सिंह, जसवंत सिंह, कुंवर बहादुर सिंह, पन्नालाल सिंह, संजय राय, सुभाष यादव, शंकर पटेल आदि गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।।

'हिन्दी साहित्य की दैदीप्यमान नक्षत्र मीरा सिन्हा'

प्रयागराज । प्रयागराज की वरिष्ठ साहित्यकार मीरा सिन्हा के आवास पर उनकी पुस्तक का लोकार्पण सम्पन्न हुआ। आज दिनांक 5–10–2024 को मीरा सिन्हा दी के आवास पर ष मेरी नजर से देखोष पुस्तक का लोकार्पण हुआ और वरिष्ठ कवयित्री

देवयानी के जन्मदिवस पर उनको सभी साहित्यकारों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता मीरा सिन्हा तथाध मुख्य अतिथि देवयानी व विशिष्ट अतिथि जया मोहन रही। काव्यगोष्ठी का सफल संचालन रेनू मिश्रा ने किया। । रेनू मिश्रा ने मीरां सिन्हा की साहित्य सेवा की निरंतरता हेतु एक कलम भी उपहार स्वरूप प्रदान की। रचनाकारों ने रचनाओं से सभी का मन मोह लिया। जया मोहन ने कजरी सुना कर खूब तालियां बटोरी देवयानी ने श्बंद करके रख दिया था दिल तेरे किताब में श्गजल सुनाकर सबका मन मोह लिया। रचना सक्सेना ने ष्हँसाना जानती थी माँष गजल सुनाकर मनमोहक प्रस्तुति से सबका मन हर्ष से भर दिया। रेनू मिश्रा ने ष्गीतों में न रहती हूं।ष गीत सुनाकर मंच को गुंजायमान किया। कविता उपाध्याय, ऋतंभरा, नीलिमा मिश्रा ने अपनी सुंदर प्रस्तुति से मौसम बदल दिया। मीरा सिन्हा ने आभार ज्ञापन किया।

ब्लॉक स्तरीय परिषदीय खो खो/कबड्डी प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

प्रतापगढ़। आज दिनांक 5अक्टूबर दिन शनिवार को सांगीपुर में ब्लाक स्तरीय परिषदीय खो खोध्कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका उद्घाटन ब्लाक अध्यक्ष धर्मेंद्र शुक्ल

द्वारा किया गयास प्रतियोगिता में प्रतिभागियों के उत्साहवर्धन के लिए सांगीपुर ब्लॉक व्यायाम शिक्षक श्रीमंत शुक्ल के साथ सुशील कुमार मिश्र अरूणेन्द्र सिंह सईद अंसारी रंजीत मौर्य सिद्दीक रमेश चंदन चंद्रभान प्रफुल्ल यशवीर सुरजीत आदि उपस्थित रहे सप्रतियोगिता का समापन खण्ड शिक्षाधिकारी जंगीलाल मौर्य द्वारा किया गया।

कोचिंग सेंटर की बिल्डिंग की 8वीं मंजिल से कूदकर छात्र ने दे दी जान, मचा हड़कंप

लखनऊ,(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां पर एक कोचिंग सेंटर की 8वीं मंजिल से एक छात्र कूद गया। छात्र के कूदने से इलाके में हड़कंप मच गया। लोगों ने अफरा–तफरी में घायल छात्र को अस्पताल पहुंचाया, लेकिन उसकी मौत हो गई। इस घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। जानकारी के मुताबिक, यह मामला हजरतगंज थाना क्षेत्र के चरण प्लाजा के पास कोचिंग सेंटर का है। जानकीपुरम निवासी आदित्य (17) सुबह कोचिंग करने के लिए पहुंचा था। वह छत पर गया, अपना मोबाइल फोन और बैग वहीं रख दिया। इसके बाद छत से नीचे छलांग लगा दी, जिससे उसकी मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि छात्र इंजीनियरिंग की तैयारी कर रहा था। वह कई दिनों से गुमसुम था। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, आज सुबह 8 बजे के करीब कॉमर्स हाउस बिल्डिंग के गार्ड ने पुलिस को छात्र के छत से कूदने की सूचना दी।

राजा उदय प्रताप सिंह के सचिव निर्भय सिंह ने लोकपाल मनरेगा समाज शेखर से की मुलाकात

क्षेत्र के प्राकृतिक संसाधनो को मनरेगा से विकसित करने की मांग

प्रतापगढ़। कुंडा तहसील के भदरी रियासत के बड़े महाराज राजा उदय प्रताप सिंह के सचिव निर्भय सिंह ने लोकपाल मनरेगा समाज शेखर से मिलकर उनके द्वारा हो रहे प्रयास की सराहना करते हुए बधाई दी। साथ ही कुंडा क्षेत्र में आगामी भ्रमण के दौरान

भदरी क्षेत्र में भी पधारने हेतु आमंत्रित किया। निर्भय सिंह ने महाराज जी के मार्गदर्शन मे किये जा रहे जन सेवा व प्रकृति प्रेम के कार्यो की रूप रेखा प्रस्तुत की। उन्होंने कहा की प्रकृति व गाँव के सामूहिक संपतियों व संसाधनों का विकास मनरेगा द्वारा संचालित हो जिससे गाँव विकसित हो सके। उन्होंने लोकपाल मनरेगा से दुवर नदी सहित सभी प्राकृतिक नालो को जनोपयोगी बनाने हेतु मनरेगा से कार्य कराये जाने की मांग की। पौधों के रोपण व संरक्षण में मनरेगा योजना प्रभावी कदम उठाये जाने की भी बात कही। जिस पर लोकपाल समाज शेखर ने उन्हे आश्वस्त किया की कुंडा के प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण हेतु प्रभावी कदम उठाये जायेंगे। उन्होंने वायदा किया की कुंडा की अगली विजिट में वह भदरी क्षेत्र सहित सभी प्रमुख स्थलों पर आकर अपेक्षित कार्यो को प्रभावी बनाया जायेगा। लोकपाल ने कहा की पर्यावरणविद व जनसेवक बड़े महाराज श्री उदय प्रताप सिंह जी का भी मार्गदर्शन प्राप्त किया जायेगा। निर्भय सिंह के साथ के कुंडा क्षेत्र के वरिष्ठ पत्रकार विनोद मिश्र मौजूद थे।

समूहों के उत्पादों से सज रहे मां के दरबार

गाय के गोबर से भी बने दियों से मनाई जाएगी दीपावली

लखनऊ,(एजेंसी)। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की पहल पर उनके नेतृत्व व निर्देशन में उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत संचालित हो रहे समूहों द्वारा बनाए जा रहे उत्पादों से त्योहारों में रौनक लाने के साथ–साथ ग्रामीण क्षेत्र के इन परिवारों में आमदनी के जरिए खुशियां लाने का अनूठा प्रयास किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से प्राप्त जानकारी के अनुसार नवरात्रि, दशहरा एवं दीपावली के पावन अवसर पर हजारों समूह की लाखों दीदियों द्वारा विभिन्न प्रकार के उत्पाद बनाए जा रहे हैं। नवरात्रि के पावन पर्व पर माता की मूर्ति और चुनरी से लेकर के धूप ,दीप ,सिंदूर, रोली, दोना पत्तल परिधान अगरबत्ती, हवन सामग्री, प्रसाद आदि सामग्री भारी मात्रा में समूहों द्वारा ही बनाए जा रही हैं। विभिन्न जिलों में समूह द्वारा बनाए जा रहे उत्पादों के गिफ्ट हैपर भी तैयार किया जा रहे हैं ,जिनसे ग्रामीण एवं शहरी बाजारों में एक नई तरह की रौनक आएगी। समूह द्वारा तैयार किया जा रहे गिफ्ट हैपर लोगों को भेंट स्वरूप देने मे जहां उपभोक्ताओं में उत्सुकता है, वहीं आम जनमानस में समूहों के उत्पादों की अधिक से अधिक बिक्री हेतु संदेश भी जायेगा। उप मुख्यमंत्री ने कहा है कि स्वंय सहायता समूहों की दीदियों को लखपति दीदी बनाने तथा उन्हें स्वावलंबी व आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकार हर स्तर पर उन्हें प्रोत्साहन दे रही है। मिशन शक्ति व महिला सशक्तिकरण की दिशा में आजीविका मिशन के कार्य निःसन्देह सराहनीय हैं। विकसित भारत बनाने के प्रधानमंत्री जी के संकल्प व विजन को मूर्तरूप देने में आधी आबादी की पूरी भूमिका व भागीदारी होगी। राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की मिशन निदेशक श्रीमती दीपा रंजन मिशन द्वारा बताया गया कि यह भी प्रयास किया जा रहा है कि समस्त जिलों के सभी धार्मिक स्थलों एवं मुख्य बाजारों में समूह की दुकानों के लिए उचित स्थान दिलाया जाए।

'चयन समिति न केवल मूर्ति और पंडालों पर बल्कि दुर्गा पूजा के दौरान प्रबंधन पर भी कड़ी नजर रखेगी'

प्रयागराज। बंगाली वेलफेयर एसोसिएशन ने दुर्गा पूजा के दौरान मूर्तियों और पंडालों के मूल्यांकन के लिए 14 सदस्यीय चयन समिति बनाई है, जिसके सभी सदस्य ललित कला और कला के विशेषज्ञ हैं, यह जानकारी संस्था के सचिव डॉ. पी.के. रॉय ने प्रेस को दी। मूर्तियों के मूल्यांकन में मूर्ति के भावपूर्ण चेहरे की अभिव्यक्ति, मूर्ति का अनुपात, लय और सौंदर्य की भावना और मूर्ति की भव्यता को प्रमुखता दी जाएगी स संस्था के संयुक्त सचिव अशित कुमार रॉय ने कहा कि संस्था का मानना है कि पंडाल को अंक देने से पहले संस्था को कुछ महत्वपूर्ण बातों पर ध्यान देना होगा, जिसमें बरवारी के स्वयंसेवकों की तैनाती, श्रद्धालुओं के लिए पेयजल की व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरे, अग्नि शमन यंत्र, प्रवेश व निकास मार्ग तथा बरवारी की ओर से पंडाल के महिला–पुरुषों के खड़े होने के लिए स्थान आदि शामिल होंगे। चयन समिति में ख्याति प्राप्त कलाकार रवीन्द्र नाथ कुशवाहा, डॉ. कावेरी विज, श्रीमती शेफाली गुप्ता, सुश्री शालिनी गांगुली, सुश्री सायोनी भट्टाचार्य, श्रीमती नीतू निषाद, श्रीमती वर्षा श्रीवास्तव, श्रीमती सुनीता गुप्ता, श्रीमती जूही द्विवेदी, सुश्री विजेता प्रजापति, श्रीमती अर्चना पांडेय, श्रीमती मेघा बोस, सुश्री इश्विन श्रीवास्तव तथा सुश्री रेनू सिंह शामिल हैं। यह समिति उन दुर्गा पूजा बारवारियों का निरीक्षण करेगी, जो संस्था में पंजीकृत हैं।

लखनऊ में मुंबई ने जीती ईरानी ट्रॉफी, 27 साल बाद बने विजेता

लखनऊ,(एजेंसी)। लखनऊ के इकाना स्टेडियम में ईरानी ट्रॉफी का आज फाइनल डे रहा। मुंबई ने रेस्ट ऑफ इंडिया को हराकर 27 साल बाद ईरानी ट्रॉफी पर कब्जा कर लिया है। कप्तान अजिंक्य रहाणे की टीम ने ट्रॉफी जीती है। दोहरे शतक से चूके सरफराज खान को मैन ऑफ द मैच चुना गया है। वहीं मैच के 5वें दिन तनुष कोटियान ने शतक जड़ा। 9वें विकेट के लिए कोटियान और मोहित अवस्थी के बीच 163 गेंद पर 123 रनों की पार्टनरशिप हुई। मुंबई ने पहली पारी में 121 रनों की बढ़त ली थी। पहली पारी में मुंबई ने 537 रन 10 विकेट के नुकसान पर बनाए थे। पहली पारी में रेस्ट ऑफ इंडिया की टीम ने 416 रन ही बना पाए थे। दूसरी पारी में मुंबई की टीम ने आठ विकेट के नुकसान पर 329 रन बनाए। नौवें विकेट के लिए मोहित अवस्थी और तनुष कोटियान ने 200 गेंद पर 158 रनों की पार्टनरशिप की। पहली पारी में बढ़त मिलने के बाद मुंबई की टीम ने रेस्ट ऑफ इंडिया को दूसरी पारी खेलने का मौका नहीं दिया। मुंबई की टीम ने 450 रनों की बढ़त रेस्ट ऑफ इंडिया पर बना लिए थे। मुंबई का यह 16 वीं ईरानी ट्रॉफी है। एक ट्रॉफी मुंबई ने दूसरी टीम के साथ में शेयर की है। ईरानी ट्राफी जीतने के बाद मुंबई के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने कहा कि लाल मिट्टी की पिच पर हम वानखेडेध में भी खेलते हैं। हमें अनुमान था कि पिच किस तरह से विहैव करेगी। तनुष कोटियान ने शानदार खेल दिखाया है। रेस्ट ऑफ इंडिया के कप्तान ऋितुराज गायकवाड ने कहा कि सरफराज और तनुष के बीच में बड़ी पार्टनरशिप हुई। पहली इनिंग में शार्दुल ने भी इसमें कुछ रन जोड़ दिए। इससे कठिनाई बढ़ी। ध्रुव जुरैल, अभिमन्यू ईश्वरन ने अच्छा खेल दिखाया। सरांश जैन ने दूसरी पारी में अच्छी गेंदबाजी की। मुंबई का दूसरी पारी में पहला विकेट 52 रन के स्कोर पर गिरा। पृथ्वी शॉ ने हाफ सेंचुरी लगाई। वह 105 बाल पर 76 रन बनाकर आउट हुए। पारी में 8 चौके और एक छक्का लगाया। इसके बाद सारांश जैन और मानव सुधार की जोड़ी ने नियमित अंतराल पर विकेट लिए। ईरानी ट्रॉफी का चौथा दिन स्पिनर्स के नाम रहा है। इस दौरान पूरे दिन में स्पिनर्स ने 11 विकेट लिए। सिर्फ एक विकेट यश दयाल रन आउट हुए। मुंबई की टीम ने मैच खत्म होने तक 274 रन की बढ़त बनाई थी। पहले तीन दिन का मैच बल्लेबाजों और पेसर्स के नाम रहा था। मैच के चौथे दिन रेस्ट ऑफ इंडिया ने पहली पारी में 4 विकेट के नुकसान पर 289 रनों से आगे खेलना शुरू किया। इस दौरान पूरी टीम 10 ओवर में 416 रनों पर ऑल आउट हो गई। तनुष कोटियान और शम्स मुलानी ने 3–3 विकेट और मोहित अवस्थी को 2 विकेट मिला। मोहम्मद जुनैद को एक विकेट मिला। पहली पारी में रेस्ट ऑफ इंडिया के आउट होने पर मुंबई को 121 रनों की बढ़त मिली। चौथे दिन का खेल खत्म होने तक मुंबई की टीम ने 40 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 153 रन बना लिए हैं। अभी मुंबई की टीम ने रेस्ट ऑफ इंडिया पर 274 रनों की बढ़त ले ली है। मुंबई की टीम ने पहली पारी में 537 रन बनाए थे। ध्रुव जुरैल के 393 रन के स्कोर पर आउट होने के बाद पूरी टीम ने सिर्फ 23 रन बनाने में छह विकेट गंवा दिए। इसके बाद अभिमन्यू ईश्वरन भी 396 रन के स्कोर पर शम्स मुलानी की गेंद पर आउट हुए। दोनों के बीच में 165 रनों की साझेदारी हुई। अभिमन्यू ने 292 बाल पर 191 रन बनाए। पारी में 16 चौके और एक छक्का लगाया। टॉस जीतने के बाद रेस्ट ऑफ इंडिया ने पहले गेंदबाजी चुनी। तीसरे दिन पहले सेशन तक मुंबई ने बैटिंग की और 537 रन बनाए। सरफराज खान 222 रन बनाकर नॉट आउट रहे। जबकि श्रेयस अय्यर, अजिंक्य रहाणे और तनुष कोटियान ने फिफ्टी जड़ी। रेस्ट ऑफ इंडिया के लिए तेज गेंदबाज मुकेश कुमार ने 5 विकेट लिए हैं। यश दयाल और प्रसिद्ध कृष्णा को 2–2 विकेट मिले। वहीं, एक सफलता ऑफ स्पिनर सारांश जैन को मिले।

मां चंद्रघंटा

शैलपुत्री और ब्रह्मचारिणी के पश्चात,
चंद्रघंटा का अवतार लिया,
राक्षसों का संहार कर,
सृष्टि का उद्धार किया।।

महिषासुर था बड़ा अभिमानी,
देवी देवताओं को आतंकित कर,
इंद्रलोक पर विजय करने की,
हठधर्मी थी उसने ठानी।।

उसके भय से कांपते देवता थरथराए,
कोई उपाय न देख,
त्रिदेव के सन्मुख विनती करने आए।।

सुनकर उनकी व्यथा,
शिव को अति क्रोध आया,
मुख से उनके ऊर्जा निकली,
महामाया का रूप धराया।।

विष्णु ने चक्र,
तेज, तलवार और शेर सूर्य ने देकर,
युद्ध कर महिषासुर से,
दनुज का संहार कर,
देवी ने चंद्रघंटा नाम पाया।।

दूध, दही, खीर मां को अति भाएं,
लगाकर भोग आओ मां को शीश नवाऐं,
हे मां! सृष्टि का उपकार कर दीजो,
हमारे भीतर के अवगुणों का दमन कर,
सबके लिए सुख समृद्धि का
वरदान दीजो।।

नीता शर्मा
शिलोंग, मेघालय

सम्पादकीय.....

हरियाणा चुनाव में जलेबी विवाद

हरियाणा चुनावों में कांग्रेस के मुकाबले भाजपा कमजोर नजर आ रही है। अपनी कमजोरी को छिपाने के लिए अब वो अनावश्यक विवाद खड़े करके जनता का ध्यान भटकाने में लगी है। जलेबी की फैक्ट्री को लेकर राहुल गांधी ने जो बयान दिया, उसका मखौल उड़ाकर राहुल गांधी की छवि को फिर खराब करने की कोशिश में जुट जाना, इसका प्रमाण है। गौरतलब है कि हरियाणा में चार दिनों की विजय संकल्प यात्रा के दौरान राहुल गांधी सोनीपत के गोहाना पहुंचे और वहां मंच पर ही कांग्रेस सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने अपने हाथों से उन्हें मातूराम हलवाई की मशहूर जलेबी चखाई। श्री गांधी ने जनता को बताया कि उन्हें आम तौर पर जलेबी पसंद नहीं है, दूसरी मिठाइयां ज्यादा पसंद हैं, लेकिन मातूराम की जलेबी उन्हें बहुत पसंद आई और उन्होंने अपनी बहन प्रियंका के लिए एक डिब्बा पैक भी करवा लिया। राहुल गांधी ने कहा कि ये जलेबी हिंदुस्तान समेत पूरी दुनिया में जानी चाहिए। अगर ये जलेबी देश और विदेश में जाएगी तो शायद इनकी दुकान फैक्ट्री में बदल जाए और हजारों लोगों को काम मिल जाए। हालांकि, नरेंद्र मोदी ने छोटे दुकानदारों को चक्रव्यूह में फंसा रखा है, क्योंकि बैंक इन्हें लोन नहीं देगा। हालात ऐसे हैं कि आज हरियाणा में व्यापारियों, कारोबारियों से विदेशों से फोन कर फिरौती मांगी जा रही है और उन्हें डराया–धमकाया जा रहा है। राहुल गांधी की बात का दूसरा हिस्सा काफी महत्वपूर्ण और संजीदा था कि छोटे दुकानदारों को बैंकों से कर्ज नहीं मिलता। भाजपा चाहती तो इस बयान पर राहुल गांधी से बहस करती कि आखिर उन्होंने ये आरोप क्यों लगाया, इसका आधार क्या है। प्रधानमंत्री मोदी से लेकर उद्योग मंत्री, वित्त मंत्री, गृहमंत्री, हरियाणा के मुख्यमंत्री, पूर्व मुख्यमंत्री सभी का दावा है कि भाजपा शासन में हर तरह से खुशहाली आई है और उद्योग व्यापार भी फल–फूल रहे हैं। लेकिन इस दावे को सच दिखाने के लिए और श्री गांधी के आरोप को गलत साबित करने के लिए भाजपा को ठोस सबूत भी पेश करने होते। इतनी मशक्कत करने की जगह भाजपा ने फिर से शार्ट कट चुना, जिसमें राहुल गांधी के बयान को संदर्भों से काट कर किसी छोटे हिस्से को विवादित किया जाता है, ताकि उनकी छवि खराब हो। लिहाजा भाजपा नेताओं और प्रवक्ताओं ने जलेबी की फैक्ट्री पर तंज कसने शुरु कर दिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने झारखंड के कार्यक्रम में कहा किझूठ की जलेबी परोसने से पहले पुराना हिसाब तो दे दो, वहीं कई भाजपा नेताओं ने राहुल गांधी की समझ पर सवाल खड़े किए कि जलेबी फैक्ट्री में नहीं बनती है। हालांकि भाजपा का यह जलेबी विवाद बहुत लंबा नहीं खिंच पाया, क्योंकि फिर कांग्रेस ने भी कई तर्कों के साथ बता दिया कि जब बड़े पैमाने पर मिठाई, नमकीन बनाई जाती है, तो फिर उसके लिए फैक्ट्री ही लगती है। भारत के कई बड़े नमकीन और मिठाई निर्माता अपनी फैक्ट्रियों में बने पकवान ही देश भर में बेचते हैं और इसके साथ–साथ विदेशों में भी बड़ी मात्रा में निर्यात होता है। भाजपा ने सोशल मीडिया के जरिए जलेबी की फैक्ट्री को वायरल करने की कोशिश की तो जवाब में विदेश में बसे कुछ भारतीयों ने वीडियो बनाकर भेज दिया कि मशहूर कंपनियों की डिब्बाबंद और फ्रोजन जलेबियां, इमरती, पेड़े, लड्डू सब दुकानों में बिकते हैं। चुनाव के बीच मुद्दों को जलेबी की तरह घुमावदार बनाकर जनता को उलझाने का दांव भाजपा पर ही भारी पड़ गया। साथ ही भाजपा नेताओं और उनके अंध समर्थकों के अल्पज्ञान का सच भी जनता के सामने खुल गया, जिन्हें पता ही नहीं है कि दुनिया में कितने तरह से व्यंजनों और पकवानों के कारोबार होते हैं। ऐसा पहली बार नहीं है कि राहुल गांधी को विवाद में घसीटने के चक्कर में भाजपा ने खुद अपना अपमान करवा लिया। जब पिछले साल भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने असम में स्टोव में कोयला डालने का बयान दिया था, तब भी उनकी समझ का मजाक मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वासरमा से लेकर कई भाजपा नेताओं ने उड़ाया था। हालांकि फिर उनके सामने अंग्रेजी शब्दकोष पेश कर दिया गया कि हिंदी में जिसे अंगीठी या सिगड़ी कहते हैं, वो अंग्रेजी में स्टोव कहलाता है। आलू से सोना बनाने का बयान भी आधा–अधूरा था, उसका सच भी सामने आ चुका है। अब शायद वक्त आ गया है कि राहुल गांधी को लेकर भाजपा अपनी रणनीति बदल ले और किन्हीं अन्य तरीकों से उन्हें जवाब देने की कोशिश करे। राहुल गांधी पर शहजादे और मुंह में चांदी का चम्मच लेकर पैदा होने वाले वंशवादी नेता जैसे आरोप साबित करने के लिए भाजपा ने अरबों रूपए खर्च किए होंगे, जिसे खुद जनता के बीच जाकर राहुल गांधी ने ध्वस्त कर दिया। अब जनता उन्हें अपना इतना सगा मानती है कि अपनी सारी पीड़ा उनके सामने खोल कर रख देती है। महिलाएं उन्हें हाथों से खाना खिलाना चाहती हैं, बच्चे उनके साथ मस्ती करते हैं, युवा अपने सपनों को साझा करते हैं।

जेल में जातीय जहर

दिनेश सिंह

> *दरअसल, एक महिला पत्रकार द्वारा दायर जनहित याचिका पर ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए शीर्ष अदालत की तीन सदस्यीय पीठ ने कहा कि जेल नियमावली जाति के आधार पर कामों के बंटवारे में भेदभाव करती है।*

सर्वोच्च न्यायालय ने अपने एक ऐतिहासिक फैसले में जेलों में जातिगत भेदभाव के साथ श्रम विभाजन पर रोक लगाने के लिये सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को तुरंत प्रभाव से जेल मैन्युअल में बदलाव करने के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने इसे संविधान के आर्टिकल 15 का सरासर उल्लंघन बतलाया है। कोर्ट ने कहा कि रसोई व सफाई का काम जाति के आधार पर बांटा जाना अनुचित है। दरअसल, एक महिला पत्रकार द्वारा दायर जनहित याचिका पर ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए शीर्ष अदालत की तीन सदस्यीय पीठ ने कहा कि जेल नियमावली जाति के आधार पर कामों के बंटवारे में भेदभाव करती है। खाना बनाने का काम ऊंची जाति के लोगों को देना व सफाई का काम निचली जातियों के कैदियों को देना संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन है। जो जेलों में जातिगत भेदभाव को बढ़ाता है। कोर्ट का कहना था कि जाति के आधार पर कामों का बंटवारा औपनिवेशक सोच का पर्याय है, जिसे स्वतंत्र भारत में जारी नहीं रखा जा सकता है। कोर्ट ने कहा कि स्पष्ट है जेल नियमावली साफ तौर पर भेदभाव

करती है। साथ ही कहा कि नियमावली में जाति से जुड़ी डिटेल्स का उल्लेख असंवैधानिक है। कोर्ट ने खरी–खरी सुनाते हुए सभी राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के जेल मैन्युअल में तुरंत बदलाव करने को कहा है। साथ ही राज्यों को इस फैसले के अनुपालन की रिपोर्ट कोर्ट में पेश करने को कहा है। उल्लेखनीय है कि चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली इस बेंच में जस्टिस जेबी पारदीवाला व जस्टिस मनोज मिश्रा शामिल थे। दरअसल एक पत्रकार सुकन्या शांता ने सबसे पहले यह मामला उठाया था। उनका कहना था कि देश के 17 राज्यों की जेलों में कैदियों के साथ यह भेदभाव हो रहा है। उन्होंने दिसंबर 2023 में सुप्रीम कोर्ट में यह जनहित याचिका दायर की थी। इस याचिका पर फैसला सुनाते हुए कोर्ट ने तीन महीनों में नियमों में बदलाव करने को कहा है।उल्लेखनीय है कि इस मामले में पहली सुनवाई जनवरी 2024 में हुई थी। सुप्रीम कोर्ट ने 17 राज्यों को नोटिस भेजकर जवाब मांगा था। छह महीने के भीतर केवल उत्तर प्रदेश, झारखंड, ओडिशा, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल ने ही अपना जवाब कोर्ट में दाखिल किया। उल्लेखनीय है कि पत्रकार सुकन्या ने वर्ष 2020 में एक शोध रिपोर्ट तैयार की थी। जिसमें तीन मुख्य राज्यों का उदाहरण दिया गया था। जिसमें राजस्थान का उल्लेख किया गया था कि यदि कैदी नाई है तो उसे बाल व दाढ़ी बनाने का काम मिलेगा, ब्राह्मण कैदी को खाना बनाने का काम मिलेगा और वाल्मीकि कैदी को सफाई का काम दिया जाता था। वहीं उत्तर प्रदेश के जेल मैन्युअल 1941 में जातिगत पूर्वाग्रहों को बनाये रखने वाले प्रावधानों का उल्लेख पाया गया। उल्लेखनीय है कि कोर्ट ने इस मामले में दस महीने के भीतर ही सुनवाई पूरी कर ली थी। यहां तक कि दस जुलाई को आखिरी सुनवाई के दौरान कोर्ट ने उत्तर प्रदेश की जेल नियमावली के कुछ प्रावधानों को अदालत में पढ़ा और उत्तर प्रदेश सरकार को फटकार लगायी। कोर्ट ने उत्तर प्रदेश व पश्चिम बंगाल की जेल नियमावली को पढ़ते हुए कहा कि ये नियम बेहद तकलीफदेह हैं। उल्लेखनीय है कि गृह मंत्रालय ने भी फरवरी में एक नोटिस जारी करके कहा था कि ये भेदभाव गैरकानूनी है। साथ ही कहा कि जेल मैन्युअल कैदियों को धर्म व जाति के आधार पर बांटते हैं। उसी आधार पर काम बांटते हैं। साथ ही राज्यों व केंद्र सरकारों को यह सुनिश्चित करने को कहा गया था कि उनके राज्यों में जेल के नियमों में किसी तरह का भेदभावपूर्ण प्रावधान न हो। वहीं दूसरी ओर अधिकारियों को कैदियों के साथ मानवीय व्यवहार करने को कहा गया था। साथ ही यह भी कि प्रत्यक्ष व परोक्ष भेदभावपूर्ण व्यवहार से कैदियों में कटुता पैदा होगी। शीर्ष अदालत ने इस भेदभाव को औपनिवेशिक शासन की विरासत बताते हुए तुरंत खत्म करने को कहा क्योंकि हर कैदी भी गरिमा से जीवन जीने का अधिकार रखता है।

चुनावी बांड की कहानी

राजेन्द्र शर्मा

अदेश की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और उनके सह–आरोपी बनाए गए कर्नाटक के भाजपा के नेताओं तथा ईडी अधिकारियों ने बेशक राहत की सांस ली होगी। कर्नाटक हाई कोर्ट ने उनके खिलाफ चुनावी बांड के नाम पर, अवैध हफ्ता वसूली के आरोपों की जांच पर अपने अंतरिम आदेश के जरिए फिलहाल रोक लगा दी है। आरोपियों में से एक, भाजपा नेता नलिन कुमार कतील की याचिका पर, अंतरिम आदेश में हाईकोर्ट के एकल पीठ ने उन्हें उक्त राहत दी है। याचिका में उस प्राथमिकी को ही चुनौती दी गयी है, जिसमें कतील व अन्य को नामजद किया गया है। याद रहे कि एक गैर–सरकारी संगठन की याचिका पर, एक विशेष अदालत के आदेश पर ही, निर्मला सीतारमण व अन्य के खिलाफ चुनावी बांड के नाम पर अवैध वसूली के आरोपों में कर्नाटक में एफआईआर दर्ज की गयी थी। स्वाभाविक है अगले कदम के रूप में आरोपों के संबंध में जांच शुरू होनी चाहिए थी, जिसे फिलहाल हाई कोर्ट के आदेश ने कम से कम अगली सुनवाई तक के लिए रोक दिया है। बहरहाल, इस तात्कालिक राहत से सुश्री सीतारमण और उनसे बढ़कर उनकी पार्टी के नेतृत्व के चेहरों पर मुस्कुराहट लौट आएगी, यह मानना मुश्किल है। इसकी वजहें दो हैं। पहली तो यह कि यह राहत फौरी यानी अस्थायी राहत ही है। अदालत से इस तरह की अस्थायी राहत मिलना तो आसान है, लेकिन एक अदालती आदेश के फलस्वरूप दर्ज की गयी एफआईआर को ही निरस्त करने का अदालती फैसला हासिल करना, लगभग नामुकिन है। यानी आरोपों पर जांच का वास्तव में आगे बढ़ना नहीं बढ़ना अपनी जगह, लेकिन इतना तय है कि यह प्रसंग आसानी से ठंडा पड़ने वाला नहीं है और यहीं से भाजपा की परेशानी की दूसरी वजह शुरू होती है। इसका संबंध इस तथ्य से है कि इस पूरे प्रसंग ने, सत्ता के बल पर किए गए एक बड़े घोटाले के रूप में, चुनावी बांड के मुद्दे को फिर से नया कर दिया है। कहने की जरूरत नहीं है कि सत्ताधारी भाजपा और उसके संघ परिवार ने कितनी मेहनत कर के और कितने संसाधनों को झोंककर, चुनावी बांड के मुद्दे का धीरे–धीरे सार्वजनिक बहस से गायब ही हो जाना सुनिश्चित किया था। जाहिर है कि इसमें सत्ताधारी दल की सबसे ज्यादा मदद तो सर्वोच्च अदालत ने ही की थी, जिसने अपने ऐतिहासिक फैसले में चुनावी बांड की पूरी की पूरी व्यवस्था को असंवैधानिक तथा गैर–कानूनी करार देकर खारिज तो किया था और इसके जरिए क्विड प्रो क्वो यानी चंदा लाओ और लाभ पाओ की व्यवस्था चल रही की संभावना मानी भी थी, लेकिन इसके बावजूद उसने अपने ही फैसले से उजागर हुई आर्थिक गड़बड़ियों की आगे किसी जांच का रास्ता खोलने से इंकार कर दिया। यह इसके बावजूद था कि स्टेट बैंक के चुनावी बांड के जरिए पैसे की यात्रा की पूरी ट्रेल जाहिर करने में असमर्थता जताने के बावजूद, चुनावी बांडों के सिलसिले में, इन बांडों की खरीद तथा राजनीतिक पार्टियों द्वारा उनके प्राप्त किए जाने की जानकारियों को उनके संदर्भ में रखकर, मीडिया में अनेक जानकार विश्लेषकों ने बड़े विस्तार से, सटीक जानकारियों व साक्ष्यों के साथ, गड़बड़ी के बेशुमार मामले उजागर किए थे। इसी क्रम में अवैध चंदा वसूली के लिए, जिसे मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने, जानी–पहचानी श्हफ्ता वसूलीश का ही एक रूप बताया था, केंद्रीय एजेंसियों जैसे सीबीआई, ईडी, आयकर आदि के दुरुपयोग के भी कितने ही मामले सामने आए थे। केंद्रीय एजेंसियों की छापों समेत विभिन्न कार्रवाइयों और चुनावी बांड के जरिए चंदे के कई अलग–अलग पैटर्नों की भी पहचान की गयी थी। जहां कुछ मामलों में केंद्रीय एजेंसियों के छापेध कार्रवाई के फौरन बाद, संबंधित कंपनियों द्वारा सत्ताधारी भाजपा को चंदा दिया जाना शुरू कर दिया गया था, वहीं कुछ और मामलों में पहले से चंदा दे रही कंपनियों ने छापे के बाद, उल्लेखनीय रूप से ज्यादा चंदा देना शुरू कर दिया था। और कुछ और मामलों में बार–बार छापे के जरिए कंपनियों से बार–बार पैसे की वसूली की जा रही थी। बेशक, यह सब उस सामान्य या सद्भावनापूर्ण वातावरण में हो रहे लेन–देन के ऊपर से था, जिसे चंदा दो और धंधा लो कहा जा सकता है। यानी सरकारी ठेके आदि के रूप में सरकार से उपकार लो और बदले में बांड के जरिए चंदा देकर अपना कर्जा उतार दो। इन तमाम असामान्यताओं के बरक्स इस चुनावी बांड भंडाफोड़ में ऐसी कंपनियों के सत्ताधारी पार्टी को बड़े पैमाने पर चंदा देने के मामले भी सामने आए, जिनके चंदे का किसी भी तरह से धंधे के हिस्से के तौर पर कोई तर्क ही नहीं बनता था। मिसाल के तौर पर कई मामलों में कंपनियों ने अपने कुल मुनाफे से कई–कई गुना ज्यादा चंदा चुनावी बांड के जरिए दिया था, तो कुछ मामलों में तो इन कंपनियों की कुल कीमत से भी कई–कई गुना चंदा दिया गया था, जो साफ तौर पर इन कंपनियों के खोखा कंपनियों की तरह काम कर रहे होने का यानी मनी लॉन्डरिंग का ही मामला नजर आता था। वास्तव में जब इस चुनावी बांड योजना के सिलसिले में, पहले से चले आते राजनीतिक चंदा कानून के इस प्रावधान को संशोधित किया जा रहा था कि कोई भी कंपनी, अपने पिछले तीन साल के मुनाफे का ज्यादा से ज्यादा 7 फीसद ही राजनीतिक चंदे के तौर पर दे सकती थी, और इस पूरी की पूरी पाबंदी को ही हटाया जा रहा था, तभी विभिन्न हलकों ने इसकी आशंका जताई थी कि यह चुनावी चंदे के नाम पर मनी लॉन्डरिंग का रास्ता खोल सकता था। दुर्भाग्य से इस मामले में बदतरीन आंशकाएं सच साबित हुई थीं। इसके बावजूद, मोदी सरकार से और उसकी एजेंसियों से तो इन गड़बड़ियों की जांच और दोषियों को सजा दिलाने की उम्मीद की नहीं जा सकती थी। आखिरकार, इन गड़बड़ियों की सबसे बड़ी लाभार्थी तो सत्ताधारी पार्टी ही थी। इन उजागर हो गयीं गड़बड़ियों तक की किसी भी तरह की जांच कराना तो दूर रहा।

मेष :– अच्छी भावनात्मक अभिव्यक्ति से संबंधों की मधुरता बढ़ेगी। रोजगार की समस्याओं को लेकर मन चिंतित होगा। किसी बड़ी यात्रा के प्रति मन उत्साहित होगा। असीम प्रतिभाओं के बावजूद असफल होंगे।

बृषभ :– विरोधियों की प्रबलता से कार्यक्षेत्र में कठिनाइयां संभव। जीविका क्षेत्र में नये आयाम उत्साहित करेंगे। कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जगत के अनुकूल चलने का प्रयत्न करें।

मिथुन :– किसी सहकर्मी के खराब व्यवहार से कष्ट संभव। कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। पारिवारिक संबंधों में कटुता न आने दें। आवेश में लिये गये निर्णय से पश्चाप संभव।

कर्क :– किसी विपरीतलिंगी संबंध के प्रति आकर्षण बढ़ेगा। रोजगार में समस्याओं से हतोत्साहित न हों। अपनी क्षमताओं व गुणवत्ता पर भरोसा रखें क्योंकि आगे बहुत सारी सफलताएं मिलने वाली हैं।

सिंह :– कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। नाजुक संबंधों में भावनात्मक तालमेल बिठाने का प्रयत्न करें। नये कायरें के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होगा। जीवन साथी से मधुरता कायम रखें।

कन्या :– कोई महत्वपूर्ण आकांक्षा अपनी सार्थकता हेतु उद्वेलित करेगी। दूसरों की आलोचना का असर मनोबल पर कतई न पड़ने दें। ग्रहों की अनुकूलता प्रगति के अच्छे अवसर प्रदान करेगी।

तुला :– कुछ नये उत्साह व कार्य क्षमता की अनुभूति करेंगे। कुछ आर्थिक प्रगति के लिए मन नई–नई युक्तियों पर केंद्रित होगा। कुछ नई सफलताएं सुखों का आगाज करेंगी। योजनाएं फलीभूत होंगी।

वृश्चिक :– बीती बातों को भूल वर्तमान में जीने का प्रयास करें। रोजगार में अपनी क्षमता का पूर्ण लाभ मिलेगा। बिना वजह दूसरों की पीठ पीछे आलोचना न करें। परिवार में खुशहाल स्थिति से मन प्रसन्न होगा।

धनु :– दूसरों की सफलता से अपने अंदर हीन भावना न पाले। नौकरी का वातावरण थोड़ा अरुचिकर होगा तथा स्थान परिवर्तन का भी योग है। रोजगार में व्यस्तता रहेगी किंतु जरूरी कायरे की पूर्ति समय से करें।

मकर :– रोजगार में कुछ आकस्मिक सफलता मिलने का योग है। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति में व्यय संभव। प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा। कार्यक्षेत्र में क्षमताओं का लाभ उठाएंगे।

कुंभ :– रोजगार क्षेत्र में मिल रहे नये अवसरों का लाभ उठाएंगे। आवेश में लिये गये निर्णय से हानि संभव। राजनीतिक सरगर्मियां बढ़ेंगी। मित्रवत संबंधों का लाभ प्राप्त होगा। परिवार में खुशहाल माहौल रहेगा।

कंठमणि बुधौलिया का न रहना, पुराने मूल्यों का खत्म होना

शकील अख्तर

> *हमने बताया श्याम जी। चुनाव भी केवल एक जीप से लड़ लिया जाता था। किराए की जीप नेता कार्यकर्ताओं के लिए। और महाराजा किशन सिंह की जीप जो रोज नहीं मिल पाती थी, प्रत्याशी श्याम जी के लिए।*

बुधौलिया जी का अभी 30 सितम्बर को निधन हो गया। 83 साल के थे। उम्र में हमसे काफी बड़े। जब हम लोग कालेज में थे तब वे किला चौक पर समाजवाद के पक्ष में भाषण देते थे। स्थानीय अखबारों में लेख और कविता लिखते थे। और कलेक्ट्रेट एवं सेशन कोर्ट ऊपर चढ़कर राजगढ़ (महल) में होता था। वहां पेक्टिस करते थे। बहुत सीधी चढ़ाई थी कोर्ट जाने की। दतिया में मुहावरा था कि बेटा राजगढ़ चढ़ा–चढ़ाकर मार लेंगे! मतलब इतने मुकदमे कर देंगे कि रोज पेशी होगी और राजगढ़ चढ़ना होगा। सिर्फ गाड़ियां चढ़ पाती थीं। जज कलेक्टर के पास होती थीं। एक वकील साहब की याद है। शिरोमणि सिंह बुंदेला की। उनकी जीप होती थी। वे उससे आते थे। श्याम सुन्दर श्याम जो कई बार दतिया के विधायक रहे और वकील भी थे, उन्हें जब जाना होता था तो बुंदेला जी या महाराजा किशन सिंह जो दतिया के महाराज थे, और दतिया भिंड से सांसद भी बने, एक बार जो वसुन्धरा राजे हारी थीं, उनसे ही हारी थीं, अपनी जीप में लेकर जाते थे।उन दिनों की राजनीति ऐसी ही होती थी। श्यामजी जो कई बार विधायक रहे। 1977 में भी जनता पार्टी की आंधी में जीते। 1980 भी जीते। उससे पहले भी कई। उनके पास गाड़ी नहीं थी। मृत्यु तक। 1984 में वे नहीं रहे थे। अभी कुछ समय पहले आसिफ इब्राहिम जो आईबी चीफ रहे एक दिन पूछ रहे थे कि वे दतिया में कांग्रेस के कौन से नेता थे जो तांगे में बैठकर आया करते थे? एस पी आफिस बग्गीखाने में था। आसिफ इब्राहिम दतिया एसपी थे। हमने बताया श्याम जी। चुनाव भी केवल एक जीप से लड़ लिया जाता था। किराए की जीप नेता कार्यकर्ताओं के लिए। और महाराजा किशन सिंह की जीप जो रोज नहीं मिल पाती थी, प्रत्याशी श्याम जी के लिए। तो बता यह रहे थे कि गरीब कमजोर को भी और छात्र युवा नेताओं को भी धमकी यह दी जाती थी कि राजगढ़ चढ़ा–चढ़ाकर मार लेंगे। मगर चढ़ने का तो कष्ट था। लेकिन उपर एक वकील साहब हुआ करते थे जो किसी के साथ अन्याय नहीं होने देते थे। यही कंठमणि बुधौलिया जी। सबके केस फ्री में लड़ना। और पुलिस प्रशासन राजनीति किसी के दबाव में न आना। हमने जो कहा विश्वसनीय! वह यही बात थी कि जिस को भी वकील साहब के पास पहुंचा दो मदद हो जाती थी। और बंदा जब वापस लौटता था भरोसे के साथ। वकील साहब मिल गए अब कुछ नहीं होगा। ऐसा नहीं है कि और वकील मदद नहीं करते थे। मगर बुधौलिया जी तक पहुंचना सबसे आसान हुआ करता था। शाम को किला चौक पर भी मिल जाते थे। सुबह घर पर भी। दिन भर कोर्ट में कहीं भी पकड़ लो। इतने सहज सरल और शांत व्यक्ति अब कम होते हैं। माहौल में गुस्सा, नफरत क्रूरता भर दिया है। बुधौलिया जी हल्की मुस्कान, दाढ़ी और हमेशा खादी की पेंट–शर्ट और वकालत का काला कोट भी खादी का। समाजवादी थे। इमरजेन्सी में जेल गए। मगर जब जनता पार्टी की सरकार आई तो उसने सबसे पहले छात्र आंदोलनों को ही कुचलने का काम किया। आज की तरह आंदोलनजीवी और अरबन नक्सल तो नहीं बोल सके मगर झूठे मुकदमे इसी तरह कायम किए। जेल भेजा। उस समय कंठमणि बुधौलिया जो इस सरकार को लाने के लिए जेल गए थे उन लोगों के लिए लड़े जिन्हें अब यह जनता पार्टी की सरकार प्रताड़ित कर रही थी। छात्र और युवा नेताओं के लिए सड़कों पर जुलूस निकालाना, धरना प्रदर्शन जेल जाना कोई मुश्किल काम नहीं होता था। उन दिनों खूब संघर्ष होता था। लेकिन मुश्किल होता था ढेर सारे झूठे मुकदमे लड़ना। बुधौलिया जी सबके ऐसे मुकदमे लड़ते थे। मदद और लोग भी करते थे। श्याम जी खुद बहुत अच्छे वकील थे। मगर उन्हें ले जाना आसान नहीं था। चल रहे हैं, चल रहें है कहते–कहते दोपहर हो जाती थी। ब्रजमोहन नगार्च भी कभी पैसे नहीं मांगते थे। मगर इतने व्यस्त वकील थे कि उन्हें छोटे–छोटे मामलों में रोज खड़ा करना मुश्किल था। युगल किशोर लिटोरिया भी मददगार वकील थे। मगर वे भी बड़े वकील। ड्राफ्टिंग वगैरह करने में मदद कर देते थे। कोर्ट में चले भी जाते थे। मगर उनके पास भी काम इतना होता था कि ज्यादा परेशान नहीं कर सकते थे। बुधौलिया जी की खास बात यह थी कि वे जिसे पहुंचाओ उससे आत्मीयता से मुस्करा के मिलते थे। गरीब कमजोर की सबसे बड़ी समस्या यह होती है कि वह कहीं जाते हुए किसी से मिलते हुए डरता है। हर बार आप से कहेगा कि आप चलो। यह संभव नहीं होता। लेकिन बुधौलिया वकील साहब के मामले में एक बार जो चला जाता था फिर वह आप से कहना तो दूर दूसरे को ले जाकर भी खुद ही मिलवा देता था। यह सहजता थी उनमें कि मिलने वाला एक ही मुलाकात में उन पर अधिकार समझने लगता था। दरअसल व्यक्ति के बहाने वह दौर जिन्दा हो जाता है।

करीब 45 –50 साल पुराना। वैचारिक मतभेद तब भी होते थे। मगर उनमें धर्म जाति का विभाजन करने वाले लोग नहीं होते थे। बुधौलिया जी जाति धर्म से परे सबकी मदद करते थे। 1980 में जब नई कलेक्ट्रेट बन गई तो ग्राउन्ड फ्लोर पर ही सीढ़ियों के पास बुधौलिया जी कुर्सी लगी होती थी। वकीलों का आप को मालूम है कि कोर्ट में बैठने की बहुत मारामारी होती है। मगर जो भी नया वकील पहुंचता था उसे बैठने के लिए बुधौलिया जी अपने आस पास कहीं जगह कर देते थे। उसे सिखाते भी थे। और जैसा कि हमारे यहां के स्मार्ट लोग होते हैं थोड़े ही दिन में बुधौलिया जी के ही क्लाइंट तोड़ने की कोशिश करने लगते थे। मगर वे कभी गुस्सा नहीं होते थे।

मै भी तहजीब–तमीज वाली हूं, हमारी तरबियत देखनी है तो घर आइए

उर्फी जावेद

अपने अतरंगी फैशन को लेकर सुर्खियों में आने वाली उर्फी जावेद ने अब अपना अगला कदम बढ़ा दिया है। उर्फी ने बता दिया है कि आप उनको ट्रोल कर सकते हैं, उनको नापसंद कर सकते हैं लेकिन उनको इग्नोर नहीं कर सकते हैं। इस वक्त उर्फी अपने वेब शो श्फॉलो कर लो यारश को लेकर चर्चा में हैं जो कि 23 अगस्त को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुआ है। इसको लेकर उर्फी जावेद ने इस शो को लेकर श्फिल्मीबीटश से एक्सक्लूसिव बातचीत की है। वेब सीरीज श्फॉलो कर लो यारश के बारे में कुछ बताइए? इसका आईडिया कैसे आया? ये आईडिया मुझे नहीं आया, ये मार्केट में बहुत समय से चल रहा है। लेकिन ये अभी तक इतना था नहीं। खान सिस्टर्स गौहर और निगार का शो आया था बहुत साल पहले। तो ये आईडिया है मार्केट में। क्या फॉलो कर लो यार उर्फी जावेद की बायोपिक है? नहीं, ये सिर्फ फॉलो रियालिटी शो है, मैने किया क्या है? मैं मरी नहीं हूं अभी तक। आप किसी ऐसे इंसान पर बायोपिक कैसे बना सकते हैं जिसने लाइफ में कुछ किया ही नहीं है। ये सिर्फ एक फॉलो रियालिटी शो है। इसमें मेरे आगे पीछे कैमरे थे दो महीने तक जो मुझे फॉलो कर रहे थे। तहजीब के शहर लखनऊ से हैं आप, कब दिमाग में आया कि अपने फैशन से लोगों को हैरान करना है? आपने बोला था कि आप इंडिया की किम कर्दशियन बनना चाहती हैं? मैं आपको तहजीब वाली नहीं लगती क्या? मैं भी तहजीब वाली हूं, आप कभी हमारे घर आइए। हम आपको अपनी तहजीब, तमीज और तर्बियत सब दिखाएंगे। मैने ट्रेलर में मजाक में बोल दिया था कि मैं इंडिया की किम कर्दशियन बनना चाहती हूं। मेरा ऐसा कोई लक्ष्य नहीं है, मुझे अभी तो बस अपना करना है। आपकी फैमिली में कई लोग हैं, आपकी बहनों से आपका रिश्ता कैसा है? कभी झगड़ा होता है? जिनके भाई बहन होते हैं बहुत झगड़े होते हैं, हमारा तो उम्र का अंतर इतना है नहीं एक या दो साल ही है। जो सबसे छोटे वाले हैं वो इतना मानते नहीं है और उनसे भी बहुत झगड़े होते हैं। आपके कपड़ों को लेकर जो आज तक सबसे बुरी बात आपने सुनी है? इसके बाद फूट फूटकर रोईं हों? रोते तो सभी हैं यार, कभी कभी तो बुरा लग ही जाता है सबको। मुझे ये याद है कि मैं रोई थी लेकिन मुझे ये याद नहीं है कि किसी ने क्या कहा था। इस सीरीज फॉलो कर लो यार के लिए कैसे अप्रोच किया गया? करीब 2 साल पहले मुझसे बोला गया था कि हम शो बनाना चाहते हैं। ऐसे ऐसे कैमरा आपको फॉलो करेंगे, आप जो करती हैं आप करिए, हम उसको दिखाएंगे फिर। मैने कहा कि वाह ये तो अच्छा आइडिया है। जब अमेजन ने अप्रोच किया तो मैने हां बोल दिया। बॉलीवुड में किस एक्टर के साथ स्क्रीन साझा करना चाहती हैं? किसी एक्टर ने आजतक मेरा नाम नहीं लिया तो मैं क्यों किसी एक्टर का नाम लूं। मैं किसी की फेवरिट नहीं हूं बॉलीवुड में तो मैं क्यों किसी का नाम लूं। अगर कोई आपको इंपॉर्टेंस नहीं देगा तो क्या आप किसी को इंपॉर्टेंस देंगे? आप सबके बारे में बात करें और कोई आपके बारे में बात ना करें, क्यों? आज तक किसी ने मेरी तारीफ नहीं की सिर्फ करीना ने की है, तो सिर्फ करीना के साथ काम करना है मुझे। आप फैशन सेंसेशन हैं, बॉलीवुड की किस एक्ट्रेस को अपना स्टाइलिस्ट बदलने की जरूरत है? कोई राय जो आप देना चाहें? मेरी क्या औकात है, मैं तो कुछ भी पहनकर निकलती हूं। ये तो छोटा मुंह और बहुत बड़ी बात हो जाएगी। मेरा खुद का फैशन इतना अजीब है कि मैं किसी और के बारे में क्या कमेंट करूंगी। इसलिए चुप रहना ही सही है। उर्फी जावेद इस वक्त किसी तरह की परिचय की मोहताज नहीं है। जो भी शख्स सोशल मीडिया पर है वो उर्फी को जरूर जानता होगा। इस वक्त उर्फी कुछ चिंता में हैं वो लगातार अपने प्राइवेट पार्ट की सर्जरी की बात कर रही हैं। उर्फी जावेद चाहती हैं कि वो अपने ठ''ठै की सर्जरी करवाकर उनका साइज बड़ा कर लें और इसको लेकर उनकी बहनें काफी चिंता में हैं। उर्फी जावेद का एक वीडियो इस वक्त वायरल हो रहा है जिसमें वो अपनी बहनों के साथ मिलकर इस मामले में चर्चा करती दिख रही हैं। हालांकि उर्फी की बहन लगातार उनको ऐसा करने से मना कर रही है। कैसा है वीडियो? वीडियो में आप देखेंगे कि उर्फी की बहन ने रूसा को बुलाया ताकि वो उर्फी को समझा सके। बहन ने कहा, श्श्मम्मी तो यहां है नहीं, इसलिए मैने रूसा को बुलाया है ताकि वो उर्फी को समझा सके।श्श उर्फी कहती है, श्श्तो तुमने इसको इसलिए बुलाया है? तुम्हारा दिमाग खराब है क्या।श्श बहन पूछती है, श्श्तुमको क्यों कराना है?श्श उर्फी– श्श्मेरी मर्जी।श्श बहन– श्श्मर्जी तो ठीक है लेकिन कोई वजह होगी ना?श्श उर्फी– श्श्क्योंकि मेरे इ''इे छोटे हैं और मुझे बड़े चाहिए।श्श बहन– श्श्जरूरत क्या है।श्श उर्फी– श्श्जब से मैने अ प न ा वजन कम किया है तब से मेरे इ''इे छोटे हो गए हैं।श्श बहन– श्श्तुमको पता है, ऐसे सिलिकॉन का लोथड़ा जब वो डालेंगे तो वो भार होगा। तुम्हारे कंधे वो भार नहीं उठा पाएंगे। तुम खुद दो किलो की हो, तुम 200 ग्राम डलवाके क्या करोगी?श्श उर्फी– श्श्पत्थर नहीं डलवा रही हूं।श्श बहन– श्श्अगर तुमको करना है तो 2–2 किलो के रखकर थोड़ा प्रैक्टिस करके देख लो।श्श इसके बाद उर्फी सिस्टर्स का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। फैशन सेंसेशन और सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर उर्फी जावेद इन दिनों अपने शो श्फॉलो कर लो यारश के प्रमोशन में व्यस्त हैं और लगातार चर्चाओं में बनी हुई हैं।

चेहरे पर ये क्या लगाकर निकलीं उर्वशी रौतेला की मुड़-मुड़कर देखने लगे लोग

उर्वशी रौतेला चेहरे पर गोल्डन फेस मास्क लगाकर आउटिंग करती दिखाई दीं, क्या आपने भी देखीं ये...

मोनालिसा ने मरून शिमरी साड़ी में बिखेरा हुस्न का जादू, डीप नेक ब्लाउज दिए किलर पोज

मोनालिसा मरून कलर की शिमरी साड़ी में अपने हुस्न का जादू फैंस पर चलाती नजर आ रहीं...

सनी लियोनी ने डीप नेक ब्लाउज में गिराई हुस्न की बिजलियां, देखने वाले हुए लट्टू

सनी लियोनी ब्राउन कलर के डीप नेक ब्लाउज और स्कर्ट में बेहद हॉट एंड गॉर्जियस लग रहीं...

'तारक मेहता का उल्टा चश्माश शो में सोनू भिड़े का किरदार निभा रहीं पलक सिधवानी ने मेकर्स पर मानसिक उत्पीड़न का आरोप लगाया है। कहा कि वो शो छोड़ना चाहती हैं, लेकिन उन्हें ऐसा करने नहीं दिया जा रहा है। इसके अलावा पलक ने उन खबरों को भी बेबुनियाद बताया है, जिसमें कहा जा रहा था कि कॉन्ट्रैक्ट तोड़ने पर उन्हें नोटिस जारी किया है। हालांकि, नीला फिल्म प्रोडक्शन का कहना है कि उनकी तरफ से एक्ट्रेस को नोटिस भेजा गया है। पलक ने मेकर्स के आरोपों को बताया बेबुनियाद बॉम्बे टाइम्स को दिए गए इंटरव्यू में पलक सिधवानी ने नीला फिल्म प्रोडक्शन की ओर से लगाए गए सभी आरोपों को खारिज किया है।

सारा अली खान अपनी फिटनेस का काफी ख्याल रखती हैं. उन्हें अक्सर जिम के बाहर स्पॉट किया जाता है. उनकी फिट बॉडी और ऐब्स अक्सर लोगों का ध्यान खींचते हैं. ऐसे में लोग उनकी इस फिटनेस का राज जानना चाहते हैं. तो आज हम आपको सारा अली खान के उस खास वर्कआउट मेथड के बारे में बता रहे हैं जो उन्होंने हाल ही में शुरू किया है. सारा अली खान हमेशा से ही अपनी लाइफस्टाइल और बॉडी को लेकर सीरियस रही हैं. अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी एक्सरसाइज में नया वर्कआउट मेथड शामिल किया है जिसका नाम है EMS (Electronic Muscle Stimulation). इसके बारे में उनकी जिम ट्रेनर ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर जानकारी दी है. इस फिटनेस वर्कआउट की खास बात है कि ये महज 15–20 मिनट में डेढ़ घंटे की एक्सरसाइज का फायदा देती है. म्डै एक ऐसी टेक्नीत जिसमें आपको वर्कआउट गियर के ऊपर इलेक्ट्रोड वाला सूट पहनना होता है. ये इलेक्ट्रोड मांसपेशियों को होल्ड करते हैं, छोटे इलेक्ट्रिक इम्पल्ज भेजते हैं जिससे मांसपेशियां सिकुड़ जाती हैं. कुछ स्टूडियो लो–वोल्टेज बैटरी से चलते हैं जिसमें वायरलेस सूट होता हैं. स्क्वैट्स और फेफड़ों के लिए किए जाने वाली एक्सरसाइज जैसा ये वर्कआउट मूवमेंट को बढ़ाता है. म्डै सेशन सिर्फ 15 से 20 मिनट में 90 मिनट के वर्कआउट वाला रिजल्ट दे सकता है. कितना असरदार है म्डै वर्कआउट? फंक्शनल मूवमेंट कोच जेम्स टेलर ब्रीडी की मानें तो म्डै फिलहाल ये कहना मुश्किल है कि ईएमएस रिजल्ट्स बढ़ाने में किस हद तक असरदार है. ज्यादातर रिसर्च हाइपरट्रॉफी या रिकवरी के लिए एक इफेक्टिव मेथड के लिए इसे असरदार नहीं मानते. ये वर्कआउट थोड़ा महंगा भी है. भारत में इसकी कीमत 3,000 से शुरू होकर 80,000 तक है.

शरीर में ज्यादा फैट यानी चर्बी आपको कई बीमारियों के करीब ले आती है। ये फैट आपके शरीर के साथ– साथ दिमाग पर भी गहरा असर डालता है जिसके बारे में लोगों को ज्यादा मालूम नहीं है। हाल ही में एम्स दिल्ली के ताजे अध्ययन में सामने आया है कि मोटापा केवल शारीरिक स्वास्थ्य को ही नहीं, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य और सोचने–समझने की क्षमता (कॉग्निटिव फंक्शन) को भी प्रभावित कर सकता है।

मस्तिष्क की कार्यक्षमता को प्रभावित करता है मोटापा

शोधकर्ताओं ने यह भी पाया है कि अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड्स की थोड़ी सी भी मात्रा याददाश्त कमजोर होने और स्ट्रोक का खतरा बढ़ा देती है। अध्ययनों से पता चला है कि मोटे लोगों में मस्तिष्क के कुछ हिस्सों, जैसे कि फ्रंटल और टेम्पोरल लोब्स, जो सोचने और निर्णय लेने की प्रक्रियाओं से जुड़े होते हैं, का आकार छोटा हो सकता है। यह कॉग्निटिव डिक्लाइन की संभावना बढ़ा सकता है। मोटापा मस्तिष्क की कार्यक्षमता को प्रभावित कर सकता है और सोचने–समझने की क्षमता को कमजोर कर सकता है।

स्लीप एपनिया

मोटे लोगों में अक्सर स्लीप एपनिया की समस्या होती है, जिसमें सोते समय सांस लेने में रुकावट होती है। इससे नींद की गुणवत्ता प्रभावित होती है, जिससे मस्तिष्क का रेस्टोरेशन सही तरीके से नहीं हो पाता। नींद की कमी के कारण ध्यान, एकाग्रता, और निर्णय लेने की क्षमता में कमी आ जाती है। मोटापे के कारण अवसाद (डिप्रेशन), चिंता (एंग्जाइटी) और तनावजैसी मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं भी बढ़ सकती हैं। ये मानसिक समस्याएं मस्तिष्क की कार्यक्षमता पर सीधा प्रभाव डालती हैं और व्यक्ति की सोचने और समझने की क्षमता को कमजोर कर सकती हैं।

मेमोरी लॉस और डिमेंशिया का खतरा

मोटापे से ग्रस्त लोगों में मेमोरी लॉस और डिमेंशिया जैसी बीमारियों का खतरा अधिक होता है। शरीर में अतिरिक्त वसा मस्तिष्क की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचा सकती है। मोटापे के कारण मानसिक थकान और आलस की भावना बढ़ सकती है, जिससे मूड स्विंग्स होते हैं और व्यक्ति का ध्यान केंद्रित करने की क्षमता प्रभावित होती है। इससे निर्णय लेने और समस्या सुलझाने की क्षमता भी कमजोर हो जाती है।

मोटापे से शरीर में सूजन

मोटापे से शरीर में सूजन बढ़ जाती है, जो मस्तिष्क की कोशिकाओं को भी प्रभावित करती है। सूजन की वजह से न्यूरोट्रांसमिटर्स (जो मस्तिष्क में सिग्नलिंग के लिए जिम्मेदार होते हैं) पर बुरा असर पड़ता है, जिससे स्मृति और ध्यान की क्षमता में कमी आ सकती है। मोटापे के कारण शरीर में इंसुलिन प्रतिरोध बढ़ जाता है, जिससे मस्तिष्क में इंसुलिन सिग्नलिंग प्रभावित होती है। इंसुलिन सिग्नलिंग मस्तिष्क में स्मृति, सीखने और ध्यान की प्रक्रियाओं के लिए आवश्यक होती है, और जब यह बाधित होती है, तो इंसान की सोचने–समझने की क्षमता कमजोर हो सकती है।

इससे बचने के तरीके

– संतुलित आहार और व्यायाम के जरिए वजन कम करने से मस्तिष्क की कार्यक्षमता में सुधार हो सकता है।

पोटैशियम एक महत्वपूर्ण खनिज है, जो शरीर में कई महत्वपूर्ण कार्यों के लिए आवश्यक होता है, जैसे कि मांसपेशियों की संकुचन, तंत्रिका संप्रेषण और रक्तचाप को नियंत्रित करना। हालांकि, जब शरीर में पोटैशियम की मात्रा अधिक हो जाती है, तो यह कई स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है। इस लेख में हम पोटैशियम के अधिक होने के लक्षण, इससे होने वाली समस्याएं और बचाव के उपायों पर चर्चा करेंगे।

थकान और कमजोरी

शरीर में पोटैशियम के उच्च स्तर के कारण थकान और कमजोरी महसूस हो सकती है, जो मांसपेशियों के काम करने की क्षमता को प्रभावित कर सकती है। पोटैशियम, जो एक महत्वपूर्ण इलेक्ट्रोलाइट है, शरीर के तरल संतुलन, मांसपेशियों के संकुचन और तंत्रिका संकेतों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जब इसकी मात्रा अत्यधिक होती है, तो यह मांसपेशियों की शक्ति को कम कर सकता है, जिससे दैनिक गतिविधियों में कठिनाई हो सकती है और व्यक्ति थकान महसूस कर सकता है।

हृदय की धड़कन में परिवर्तन

पोटैशियम के उच्च स्तर के कारण हृदय की धड़कन में परिवर्तन आ सकता है, जिससे अतालता (।ततीलजीउपं) जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। पोटैशियम हृदय के सामान्य कार्य के लिए आवश्यक एक महत्वपूर्ण इलेक्ट्रोलाइट है, जो हृदय की मांसपेशियों की संकुचन और आराम के संतुलन को बनाए रखने में मदद करता है। जब शरीर में पोटैशियम की मात्रा अत्यधिक होती है, तो यह हृदय की धड़कनों को अनियमित बना सकता है, जिससे धड़कन तेज या धीमी हो सकती है, और गंभीर मामलों में यह हृदय की कार्यप्रणाली को भी प्रभावित कर सकता है।

गंभीर मांसपेशी दर्द

उच्च पोटैशियम स्तर मांसपेशियों में गंभीर दर्द और ऐंठन का कारण बन सकता है, जिससे दैनिक गतिविधियों में कठिनाई हो सकती है। जब शरीर में पोटैशियम की मात्रा असामान्य रूप से बढ़ जाती है, तो यह मांसपेशियों के सामान्य संकुचन और आराम के प्रक्रिया को बाधित कर सकता है। परिणामस्वरूप, व्यक्ति को मांसपेशियों में असहनीय दर्द और ऐंठन का सामना करना पड़ सकता है, जो चलते–फिरते समय, भारी सामान उठाते समय, या सामान्य कार्य करते समय परेशानी उत्पन्न कर सकता है। यह स्थिति व्यक्ति की जीवनशैली और दिनचर्या पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है।

उल्टी का आना

ज्यादा पोटैशियम के सेवन से मतली और उल्टी की समस्याएं हो सकती हैं, जो पाचन तंत्र को प्रभावित करती हैं। जब शरीर में पोटैशियम की मात्रा जरूरत से ज्यादा होती है, तो यह पेट में असहजता और जलन का कारण बन सकता है, जिससे व्यक्ति को उल्टी की अनुभूति होती है। यह स्थिति पाचन क्रिया को बाधित कर सकती है, जिससे भोजन का सही पाचन और अवशोषण प्रभावित होता है। इसके अलावा, मतली और उल्टी से शरीर में निर्जलीकरण का खतरा भी बढ़ सकता है, जो अन्य स्वास्थ्य समस्याओं को जन्म दे सकता है।

सांस लेने में कठिनाई

पोटैशियम की अधिकता से सांस लेने में कठिनाई हो सकती है, जो फेफड़ों के कार्य को प्रभावित करती है। जब शरीर में पोटैशियम का समअमस ज्यादा होता है, तो यह तंत्रिका तंत्र और मांसपेशियों के संकुचन को बाधित कर सकता है, जिससे सांस लेने की प्रक्रिया में कठिनाई होती है। इसके अतिरिक्त, कुछ लोग उच्च पोटैशियम के कारण नमकीन का स्वाद भी महसूस कर सकते हैं, जो कि एक असामान्य लक्षण है। यह स्थिति न केवल सांस लेने में समस्या पैदा कर सकती है, बल्कि व्यक्ति की समग्र स्वास्थ्य और जीवनशैली पर भी नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है, जिससे तनाव और चिंता बढ़ सकते हैं।

शरीर में झुनझुनी का होना

हाथों और पैरों में झुनझुनी और संवेदनशीलता की कमी होना शरीर के तंत्रिका तंत्र पर प्रभाव डालने का संकेत हो सकता है। यह स्थिति अक्सर रक्त संचार में रुकावट या तंत्रिकाओं के दबाव के कारण होती है, जिससे इन अंगों में असहजता और झुनझुनी का अनुभव होता है। उच्च पोटैशियम स्तर भी तंत्रिकाओं के सही कार्य को प्रभावित कर सकता है, जिससे इन संवेदनाओं में वृद्धि या कमी हो सकती है। यदि यह समस्या लगातार बनी रहती है, तो यह व्यक्ति की दैनिक गतिविधियों और समग्र स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है।

शारीरिक गतिविधियों में कमी

पोटैशियम के उच्च स्तर के कारण शारीरिक गतिविधियों में कमी आ सकती है, जो मोटापा और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं को जन्म दे सकती है। जब पोटैशियम की मात्रा अत्यधिक होती है, तो यह मांसपेशियों की कमजोरी, थकान, और दर्द का कारण बन सकता है, जिससे व्यक्ति की गतिविधियों में रुचि और क्षमता दोनों कम हो जाती हैं। इस स्थिति के परिणामस्वरूप, व्यक्ति कम सक्रिय हो सकता है, जिससे वजन बढ़ने का जोखिम बढ़ जाता है और इससे संबंधित स्वास्थ्य समस्याएं, जैसे हृदय रोग, मधुमेह, और उच्च रक्तचाप भी उत्पन्न हो सकती हैं। लंबे समय तक शारीरिक गतिविधियों की कमी से समग्र स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है।

इससे होने वाली समस्याएं

1.हृदय रोग उच्च पोटैशियम स्तर हृदय को कमजोर कर सकता है, जिससे हृदय रोग का खतरा बढ़ सकता है।

2.किडनी समस्याएं किडनी में पोटैशियम का अधिक होना उसे नुकसान पहुंचा सकता है, जिससे किडनी फेल होने का खतरा बढ़ता है।

3. हाई बीपी पोटैशियम का अधिक स्तर रक्तचाप को प्रभावित कर सकता है, जिससे हाइपरटेंशन जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

4.पाचन समस्याएं यह पाचन तंत्र को प्रभावित कर सकता है, जिससे कब्ज और अन्य पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं।

बचाव के उपाय

आहार में बदलाव पोटैशियम से भरपूर खाद्य पदार्थों का सेवन सीमित करें, जैसे कि केला, आलू, टमाटर और संतरे। इसके स्थान पर हल्के पोटैशियम वाले फलों और सब्जियों का सेवन करें। पानी का सेवन पर्याप्त मात्रा में पानी पीने से शरीर से अतिरिक्त पोटैशियम बाहर निकलने में मदद मिलती है। शारीरिक गतिविधियां नियमित व्यायाम और शारीरिक गतिविधियों को अपनाने से पोटैशियम स्तर को नियंत्रित किया जा सकता है।

डॉक्टर से सलाह

यदि आपको पोटैशियम के उच्च स्तर के लक्षण महसूस होते हैं, तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लें। नियमित जांच कराते रहें। पोटैशियम हमारे शरीर के लिए महत्वपूर्ण है, लेकिन इसकी अधिकता से स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। यदि आप ऊपर बताए गए लक्षणों का अनुभव कर रहे हैं, तो आवश्यक कदम उठाना महत्वपूर्ण है। संतुलित आहार और स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर आप अपने पोटैशियम स्तर को नियंत्रित रख सकते हैं और स्वास्थ्य समस्याओं से बच सकते हैं।

रोजाना टिफिन में बच्चों को हेल्दी फूड्स बनाने के लिए आप भी सोचते रहते हैं क्या बनाएं। अब ज्यादा टेंशन न लें, बस बच्चों के टिफिन बॉक्स में टेस्टी और हेल्दी खाना देने के लिए आप एक बार हरी मूंग दाल से बने सैंडविच रख सकते हैं। प्रोटीन से भरपूर सैंडविच को बनाना भी काफी आसान है।

हर दिन माओं की यह टेंशन रहती है बच्चों के टिफिन में हेल्दी और टेस्टी खाने में क्या बनाकर दें। अगर आप भी यहीं सोचते रहते हैं तो चिंता को दूर करें। बस बच्चे के टिफिन में हरी मूंग से बना हुआ सैंडविच बनाकर रख दें, एक बार बच्चे ने इसे खा लिया है तो इसे बार–बार खाने के लिए मांगेंगे। इस रेसिपी को बनाना भी काफी आसान है। आइए आपको बताते हैं मूंह सैंडविच की रेसिपी।

यह वीनर्स नकली दांतों से 300 गुना बेहतर है! और कीमत बहुत सस्ती हैऔर जानें

हरी मूंग सैंडविच की सामग्री

– एक कप हरी मूंग की दाल
– ब्रेड
– दो चम्मच बेसन
– नमक स्वादानुसार
– जीरा
– हींग
– हल्दी पाउडर
– पिज्जा सिजनिंग
– मेयोनीज
– चीज
– टोमैटो सॉस
– देसी घी

मूंग सैंडविच की रेसिपी

– इसके लिए पहले आप एक कप मूंग को रातभर पानी में भिगोकर छोड़ दें।

– अगली सुबह मूंग की दाल को अच्छे सो धोकर बिना पानी के पीस लें।

– फिर पिसी हुए मूंग दाल में आप नमक, एक से डेढ़ चम्मच बेसन मिलाएं।

– इसके बाद आप जीरा, हींग डालें। साथ ही में पानी डालकर गाढ़ा घोल तैयार कर लें।

– अब नॉनस्टिक पैन को गैस पर गर्म करें, फिर उस पर घी लगाएं और उस पर मूंग के तैयार पेस्ट को पैनकेक की तरह फैला दें।

– मिश्रण को तवे पर फैलाने के बाद इसे करछल की मदद से साइस से दबाते रहें, इसे आप चौकोर शेप दें और ब्रेड के साथ रखने में अच्छा भी दिखेगा।

– इसको दोनो तरफ से सेंक लें और साथ ही में ब्रेड को भी तवे पर सेंक लें।

– फिर ब्रेड पर टोमैटो सॉस लगाएं। इसके साथ ही चीज ग्रेट करके डालें और ऊपर से पिज्जा सिंजनिंग छिड़क दें।

– तवे पर रखने से चीज पिघल जाएगा और इस पर तैयार मूंग का पैनकेक रख दें।

– अगर मूंग का पैनेकक ब्रेड के साइज से बड़ा है तो आप साइड से उसे कट कर दें और ब्रेड जितना शेप दें। चलिए

आपका टेस्टी और हेल्दी मूंग ब्रेड सैंडविच तैयार है। आपके बच्चे भी इसे बड़े ही प्यार से खाएंगे।

बदलते मौसम में अक्सर बालों का झड़ना लगा रहता है। वहीं, स्कैल्प भी ड्राई होने लगता है। अगर आप भी इस समस्या से परेशान है तो नारियल के शैंपू का इस्तेमाल कर सकते हैं। आज हम आपको नारियल शैम्पू घर में कैसे बना सकते हैं, जानिए इसकी विधि।

आमतौर पर केमिकल युक्त शैम्पू के प्रयोग से बालों का झड़ना, स्कैल्प ड्राई होना और हेयर्स बेजान नजर आने लगते हैं। अगर आप इन समस्याओं से परेशान हैं तो आप घर में नेचुरल रुप से शैम्पू बना सकते हैं। नारियल के शैम्पू में कई सारे पोषण तत्व पाए जाते हैं, जो आपके हेयर्स को काफी हेल्दी रखता है। आइए जानते हैं नारियल का शैम्प घर पर कैसे बनाएं।

यह वीनर्स नकली दांतों से 300 गुना बेहतर है! और कीमत बहुत सस्ती हैऔर जानें

पोषक तत्वों से भरपूर है नारियल

वैसे तो नारियल में कई पोषक तत्व पाए जाते हैं। इसमें विटामिन–सी, विटामिन ई और विटामिन–बी जैसे पोषक तत्व अच्छी मात्रा में मौजूद होते हैं। नारियल के शैम्पू से आपके बाल डैमेज नहीं होते हैं।

घर पर कैसे बनाएं नारियल शैम्पू

बदलते मौसम में बालों के झड़ने से हम सभी परेशान हो जाते हैं। ऊपर से स्कैल्प ड्राई होना भी जरुरी है। इस शैम्पू बनाने के लिए आपको बड़े बाउल में कोकोनट मिल्क, विटामिन–ई ऑयल और एसेंशियल ऑयल को मिलाना है। इन सभी चीजों को मिलाने के बाद एक बोतल में भरके रख दीजिए। आइए इससे होने वाले फायदो के बारे में आपको बताते हैं।

लंबे और घने बाल होंगे

नारियल शैम्पू में विटामिन–बी1, बी6 और बी5 जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। इससे बालों को लंबा और घना बनाया जा सकता है। आपको बता दें कि इस शैम्पू से स्कैल्प को पोषण मिलता है और बालों में मजबूती आती है।

डैंड्रफ से मिलेगा छुटकारा

बदलते मौसम में डैंड्रफ बढ़ने लगता है। अगर आप भी डैंड्रफ की समस्या का सामना कर रहे हैं, तो नारियल का शैम्पू काफी फायदेमंद होता है। इसमें लॉरिक एसिड, एंटी–बैक्टीरियल और एंटी–माइक्रोबियल प्रॉपर्टीज होती है। डैंड्रफ की समस्या से बचने के लिए यह विकल्प सबसे बेहतर है।

ड्राईनेस दूर होती है

नारियल शैंपू में पाए जाने वाले पोषक तत्व प्रदूषण, धूल–मिट्टी और केमिकल युक्त प्रोडक्ट्स की वजह से होने वाली ड्राइनेस को खत्म करती है।

ध्यान रखें कि नारियल शैम्पू को बालों में सीधा नहीं लगाएं। इससे पहले पैच टेस्ट जरुर करें।

संक्षिप्त

बैंकों को नियमों को दरकिनार करने के लिए समूह इकाइयों का उपयोग नहीं करना चाहिए : आरबीआई

भारतीय रिजर्व बैंक ने कहा कि बैंकों को उन पर लागू नियमों को दरकिनार करने के लिए समूह इकाइयों का इस्तेमाल करने से बचने की जरूरत है। केंद्रीय बैंक ने शुक्रवार को जारी व्यापार के स्वरूप और निवेश के लिए विवेकपूर्ण विनियमन पर एक मसौदा परिपत्र में यह सुझाव दिया।

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा कि बैंकों को उन पर लागू नियमों को दरकिनार करने के लिए समूह इकाइयों का इस्तेमाल करने से बचने की जरूरत है। केंद्रीय बैंक ने शुक्रवार को जारी व्यापार के स्वरूप और निवेश के लिए विवेकपूर्ण विनियमन पर एक मसौदा परिपत्र में यह सुझाव दिया। मसौदे में कहा गया, समूह की किसी इकाई का उपयोग मूल बैंक या अन्य समूह इकाई पर लागू नियमों/ दिशानिर्देशों को दरकिनार करने के लिए नहीं किया जाना चाहिए, ताकि कोई ऐसी व्यावसायिक गतिविधि की जा सके, जिसकी आमतौर पर अनुमति नहीं है। परिपत्र में कहा गया कि इन इकाइयों को बैंक और उसकी समूह इकाइयों द्वारा दी जाने वाली ऋण गतिविधियों के दोहराव से बचना चाहिए। मसौदे में सुझाव दिया गया कि बैंकों को समूह इकाई के जरिये पहले से अनुमति प्राप्त गतिविधियों के अलावा कोई भी नयी गतिविधि शुरू करने के लिए आरबीआई के विनियमन विभाग से संपर्क करना होगा। आरबीआई ने यह भी कहा कि गैर–संचालन वित्तीय होल्डिंग कंपनियों (एनओएफएचसी) के मामले में, यह सुनिश्चित करना चाहिए कि एनओएफएचसी के भीतर केवल एक ही संस्था किसी विशेष कारोबार या गतिविधि को शुरू करे।

वेतन, जीएसटी चुकाया, 10 महीने का बकाया पीएफ भी जमा किया : स्पाइसजेट

नयी दिल्ली। संकटग्रस्त स्पाइसजेट ने सभी लंबित वेतन और जीएसटी बकाया का भुगतान कर दिया है। कंपनी ने बताया कि उसने भविष्य निधि (पीएफ) का 10 महीने का बकाया भी जमा कर दिया है। कंपनी ने हाल ही में 3,000 करोड़ रुपये जुटाए हैं। एयरलाइन ने 23 सितंबर को पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) के आधार पर शेयर जारी कर 3,000 करोड़ रुपये

जुटाने की घोषणा की। एयरलाइन के प्रवक्ता ने कहा कि नए कोष जुटाने के पहले सप्ताह के भीतर, कंपनी ने सभी लंबित वेतन और जीएसटी बकाया का भुगतान कर दिया है और पीएफ के 10 महीने के बकाया जमा करके महत्वपूर्ण प्रगति की है। उन्होंने बयान में कहा कि अन्य बकाया राशि के भुगतान की प्रक्रिया जारी है। इसके अलावा, एयरलाइन ने विभिन्न विमान पट्टादाताओं के साथ समझौता कर लिया है। स्पाइसजेट को वित्तीय समस्याओं और कानूनी परेशानियों सहित कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। कंपनी के बेड़े में विमानों की संख्या भी कम हो गई है। स्पाइसजेट का शेयर शुक्रवार को बीएसई पर 4.25 प्रतिशत गिरकर 62.79 रुपये प्रति इक्विटी पर बंद हुआ।

क्राउडसोर्सिंग भुगतान सुविधा के लिए पेओनियर ने टेक महिंद्रा के साथ समझौता किया

नयी दिल्ली। वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी पेओनियर ने भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी टेक महिंद्रा के क्राउडसोर्सिंग मंच पॉपुली की भुगतान क्षमताओं को अनुकूलित करने के लिए उसके साथ साझेदारी की है। नैस्डैक पर सूचीबद्ध कंपनी पेओनियर ने कहा कि पॉपुली के साथ इसकी सीमा–पार

भुगतान प्रणाली का एकीकरण गिग (दैनिक) श्रमिकों को भुगतान पर निगरानी रखने में सक्षम बनाता है और बहु–मुद्रा गतिविधियों तक निर्बाध पहुंच प्रदान करता है। बयान में कहा गया कि पॉपुली के उपयोगकर्ता कार्य के बाद त्वरित और सुरक्षित अंतरराष्ट्रीय भुगतान का आनंद ले सकेंगे, जिससे उनके मंच अनुभव में वृद्धि होगी। टेक महिन्द्रा के अध्यक्ष (कारोबारी प्रक्रिया सेवा) बीरेन्द्र सेन ने कहा कि पेओनियर की भुगतान प्रणाली से पॉपुली समुदाय को निर्धारित समय के अनुसार भुगतान मिलेगा। पॉपुली एक क्राउडसोर्सिंग मंच है जो दूरस्थ दैनिक श्रमिकों को ऑनलाइन परियोजनाओं के ज़रिए शीर्ष कंपनियों के साथ सहयोग करने में सक्षम बनाता है। पेओनियर के भारत के उपाध्यक्ष गौरव सिसोदिया ने कहा कि नैसकॉम की एक रिपोर्ट ने अनुमान लगाया है कि भारत का दैनिक श्रमिक कार्यबल 2030 तक 2.35 करोड़

भारत और पाकिस्तान के बीच भिड़ंत, भारतीय महिला टीम को रहना होगा सतर्क

टीम इंडिया का विमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2024 में आगाज अच्छा नहीं रहा। भारत को पहले ही मुकाबले में न्यूजीलैंड के हाथों करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा। इस हार से टीम इंडिया को पॉइंट्स टेबल में भी भारी नुकसान उठाना पड़ा है। भारत का नेट रन रेट –2.900 हो गया है।

हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में टीम इंडिया का विमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2024 में आगाज अच्छा नहीं रहा। भारत को पहले ही मुकाबले में न्यूजीलैंड के हाथों करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा। इस हार से टीम इंडिया को पॉइंट्स टेबल में भी भारी नुकसान उठाना पड़ा है। भारत का नेट रन रेट –2.900 हो गया है। अब टीम इंडिया को आगामी सभी मुकाबलों में जीत हासिल करनी होगी। यहां से एक मैच में भी हार टीम इंडिया को टूर्नामेंट से बाहर कर सकता है। भारत को रविवार को पाकिस्तान से भिड़ना होगा जिसमें उसे हर हाल में जीता दर्ज करनी होगी। फिलहाल, विमेंस टी20 वर्ल्ड कप में भारत अपना दूसरा मुकाबला रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ खेलेगा। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में टीम इंडिया का रिकॉर्ड पाकिस्तान के खिलाफ बेहतरीन रहा था, लेकिन क्रिकेट में कब क्या हो जाए कुछ कहा नहीं जा सकता। ऐसे में अगर भारत उलटफेर का शिकार होता है तो उसका खामियाजा उसे टूर्नामेंट से बाहर होकर उठाना पड़ेगा। दरअसल, भारत के ग्रुप में गत चौंपियन ऑस्ट्रेलिया भी है और इस टीम के खिलाफ क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में भारत का रिकॉर्ड अच्छा नहीं है। ऐसे में भारत को पाकिस्तान और ग्रुप की एक और अन्य टीम श्रीलंका के खिलाफ ना सिर्फ मैच जीतना होगा, बल्कि बड़े अंतर से विपक्षी टीम को धूल चटानी होगी ताकि टीम के नेट रन रेट में भी सुधार आ सके।

रिकॉर्ड

वहां भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ टी20 क्रिकेट में खेले 15 में से 12 मुकाबले जीते हैं। जिन तीन मुकाबलों में पाकिस्तान ने भारत को हराया है उसमें दो वर्ल्ड कप मुकाबले हैं। ऐसे में भारत को सतर्क रहने की जरुरत है और किसी भी मौके पर टीम इंडिया को इस मुकाबले को हल्के में नहीं लेना चाहिए।

मयंक की फॉर्म और फिटनेस की होगी परीक्षा, युवा खिलाड़ियों के पास कौशल दिखाने का मौका

भारत और बांग्लादेश के बीच सोमवार से ग्वालियर में शुरू होने वाली तीन मैच की टी20 सीरीज में अपनी तेज गेंदबाजी के कारण क्रिकेट जगत का ध्यान खींचने वाले मयंक यादव की फॉर्म और फिटनेस की परीक्षा होगी जबकि अन्य युवा खिलाड़ियों के पास भी अपनी चमक बिखेरने का यह शानदार मौका होगा। मयंक ने इस साल के शुरू में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के दौरान लगातार 150 किमी की रफ्तार से गेंदबाजी करके लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींचा था लेकिन पसलियों में खिंचाव के कारण उन्हें टूर्नामेंट के बीच से ही हटना पड़ा था। अमूमन किसी भी खिलाड़ी को राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने के लिए घरेलू क्रिकेट में अपनी फिटनेस साबित करनी पड़ती है लेकिन 22 वर्षीय मयंक को उनके विशेष कौशल के कारण भारतीय टीम में जगह दी गई है। बांग्लादेश के खिलाफ श्रृंखला में उनकी फॉर्म और फिटनेस की परीक्षा होगी। अभी यह देखना होगा कि उन्होंने जिस सटीकता और नियंत्रण के साथ आईपीएल में गेंदबाजी की थी वह उसी की तरह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गेंदबाजी कर सकते हैं या नहीं। मयंक के अलावा बांग्लादेश के खिलाफ इस श्रृंखला में दिल्ली के तेज गेंदबाज हर्षित राणा और ऑलराउंडर नीतीश कुमार को भी भारत की तरफ से पदार्पण का मौका मिल सकता है। न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला को देखते हुए शुभमन गिल, ऋषभ पंत, यशस्वी जयसवाल, मोहम्मद सिराज और अक्षर पटेल को बांग्लादेश के खिलाफ टी20 श्रृंखला से विश्राम दिया गया है। कप्तान सूर्यकुमार यादव और ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या टीम में शामिल दो बड़े नाम हैं। उनके अलावा टी20 विश्व कप की विजेता टीम में शामिल रहे शिवम दुबे और अर्शदीप सिंह को भी इस श्रृंखला के लिए टीम में चुना गया है। सीनियर खिलाड़ियों को विश्राम दिए जाने के कारण अभिषेक शर्मा जैसे खिलाड़ियों के पास अपना कौशल दिखाने का यह बेहतरीन मौका है। अभिषेक ने जिंबॉब्वे के खिलाफ शतक लगाया था। बांग्लादेश के खिलाफ उनके साथ संजू सैमसन पारी की शुरुआत कर सकते हैं। रियान पराग को जुलाई के बाद भारत की तरफ से छह टी20 मैच में खेलने का मौका मिला है लेकिन वह इनमें आईपीएल जैसी फॉर्म नहीं दिखा पाए। स्पिनर वरुण चक्रवर्ती भी इस श्रृंखला से वापसी करेंगे। रवि बिश्नोई टीम में शामिल दूसरे विशेषज्ञ स्पिनर हैं। रिजर्व विकेटकीपर के रूप में चुने गए जितेश शर्मा ने जून में आईपीएल के बाद कोई मैच नहीं खेला है। उन्हें अभी तक जिन नौ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में खेलने का मौका मिला है उनमें वह अपना जलवा दिखाने में नाकाम रहे हैं। भारतीय टीम बांग्लादेश के खिलाफ इन तीन मैच के बाद अगले महीने दक्षिण अफ्रीका में चार टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगी। उस श्रृंखला के लिए भी भारत के सीनियर खिलाड़ी उपलब्ध नहीं रहेंगे क्योंकि तब भारतीय टीम टेस्ट श्रृंखला खेलने के लिए ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर होगी। जहां तक बांग्लादेश का सवाल है तो उसे अपने स्टार ऑलराउंडर शाकिब अल हसन के बिना खेलने की आदत डालनी होगी। शाकिब ने पिछले महीने टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की थी। भारत ने टेस्ट श्रृंखला में बांग्लादेश को दोनों मैच में हराया था लेकिन उसकी टी20 टीम के अधिकतर खिलाड़ी उस टीम का हिस्सा नहीं थे। यह मैच श्रीमंत माधवराव सिंधिया स्टेडियम में खेला जाएगा जिससे ग्वालियर में 14 साल के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की भी वापसी होगी। इस शहर में आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच वनडे के रूप में 2010 में खेला गया था। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए इस मैच में सचिन तेंदुलकर वनडे में दोहरा शतक जड़ने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बने थे।

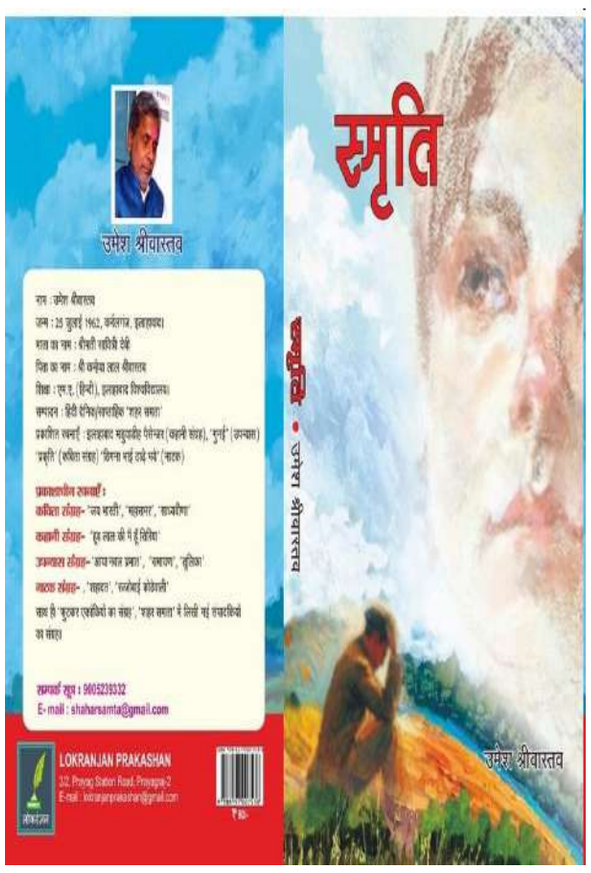

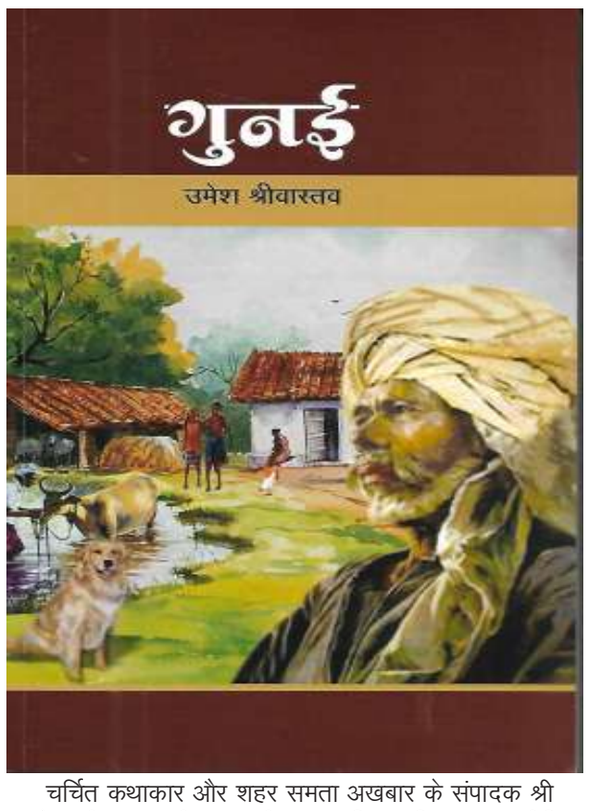

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

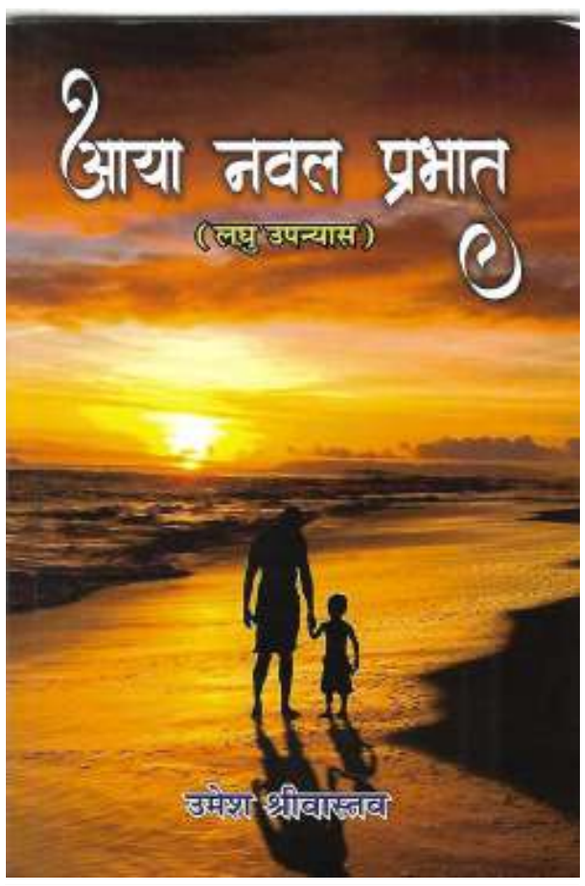

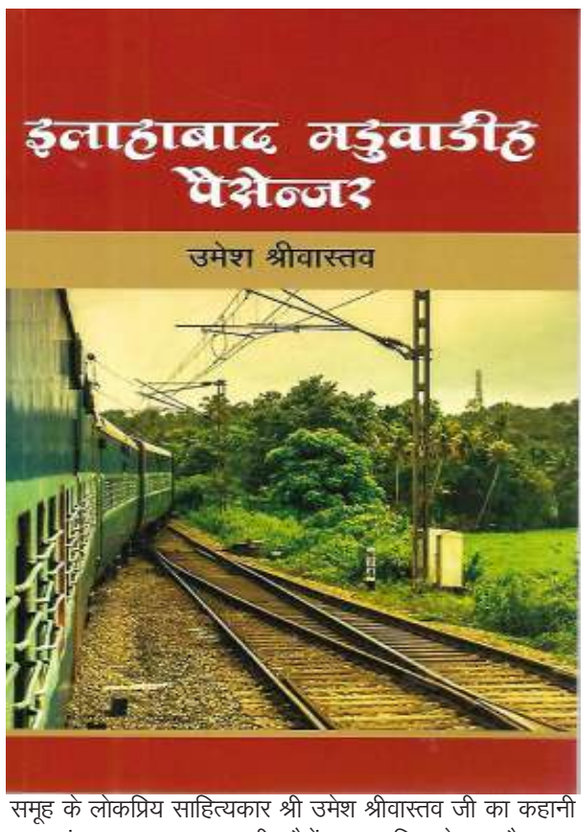

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

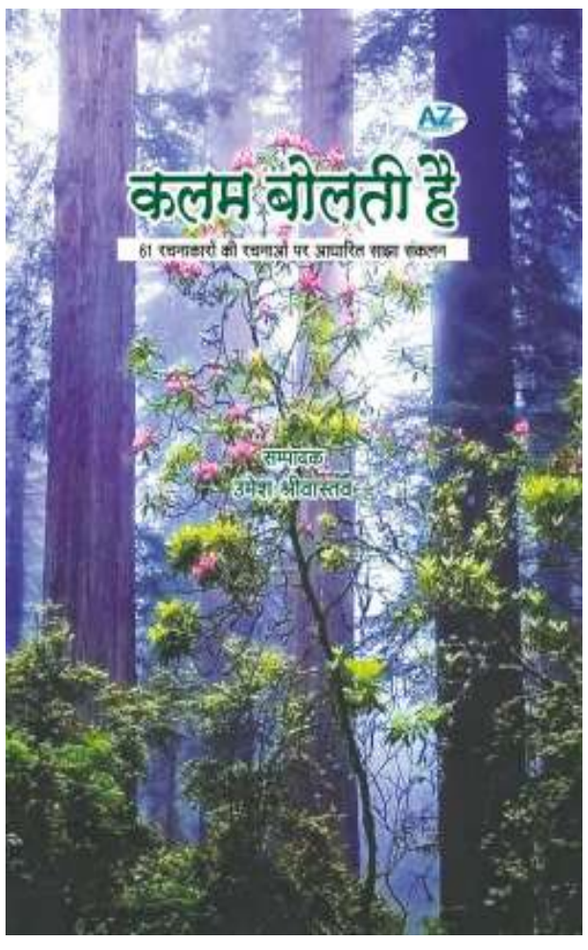

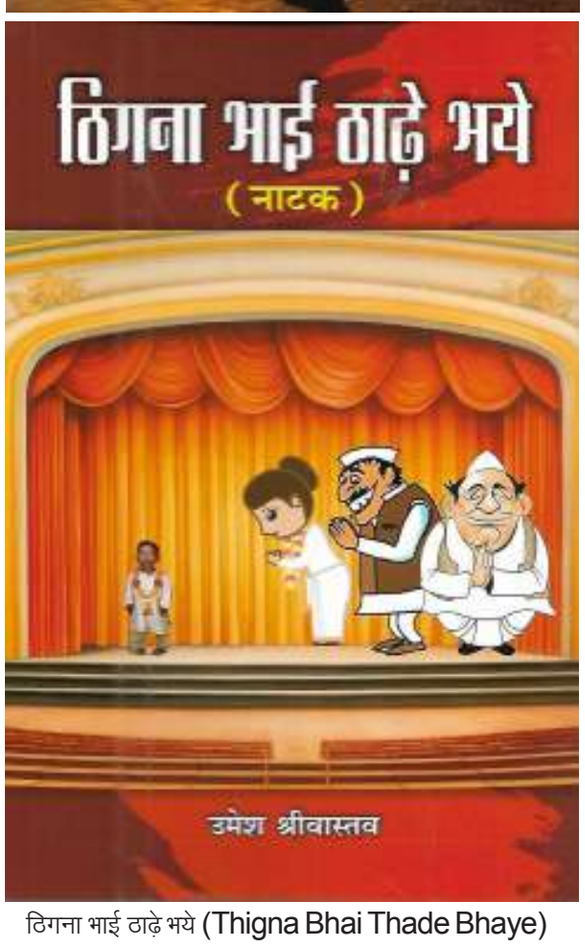

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका ने यमन के हूती विद्रोहियों पर हवाई हमले किए

अमेरिकी की सेना ने यमन में हूती विद्रोहियों के एक दर्जन से अधिक ठिकानों पर शुक्रवार को हमला कर उनकी हथियार प्रणालियों, अड्डों और अन्य उपकरणों को निशाना बनाया। अमेरिकी अधिकारियों ने इस हमले की पुष्टि की। यमन के हूती विद्रोहियों को ईरान का समर्थन प्राप्त है। अधिकारियों के अनुसार, हूती विद्रोहियों के पांच स्थानों पर स्थित विभिन्न ठिकानों पर सैन्य

विमानों और युद्धपोतों के जरिए बमबारी की गई। इससे पहले की खबरों में कहा गया था कि हूती विद्रोहियों के ठिकानों पर हवाई हमलों में ब्रिटेन भी शामिल था। लेकिन बाद में अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि इन हमलों में ब्रिटेन शामिल नहीं था। हूती मीडिया में जारी खबरों में बताया गया कि प्रमुख बंदरगाह शहर होदेदा के हवाई अड्डे तथा हूती नियंत्रण वाले सैन्य अड्डे कथीब पर सात हमले किए गए। इसमें बताया गया कि यमन की राजधानी सना के सेयाना क्षेत्र में चार तथा धमार प्रांत में दो हमले किए गए। हूती मीडिया कार्यालय ने बताया कि सना के दक्षिण–पूर्व में बायदा प्रांत में भी तीन हवाई हमले किए गए। अमेरिकी की सेना ने ऐसे समय में ये हमले किए हैं जब कुछ ही दिन पहले हूती विद्रोहियों ने यमन में एक अमेरिकी सैन्य ड्रोन को मार गिराने के बाद इजराइल में 'सैन्य अभियान तेज करने' की धमकी दी थी।

हैरिस के भाषणों में भी जिक्र नहीं, दरकिनार किए जाने से निराश हुए बाइडेन

संयुक्त राज्य अमेरिका में 5 नवंबर को होने वाले 2024 के राष्ट्रपति चुनावों के लिए काफी उतार–चढ़ाव देखने को मिले हैं। सबसे बड़ा घटनाक्रम राष्ट्रपति जो बाइडेन का बैकआउट किआ जाना है। एनबीसी न्यूज के अनुसार, बिडेन इस बात से नाराज हैं कि अमेरिकी राजनीति में दशकों बिताने के बावजूद वह अब राष्ट्रीय बातचीत का हिस्सा नहीं हैं। मामले से परिचित एनबीसी न्यूज को बताया कि बिडेन राजनीतिक चर्चा में अपनी उपस्थिति

की कमी से निराश हो गए हैं। अमेरिकी डिबेट में अब कमला हैरिस और डोनाल्ड ट्रम्प की ही बात होती है। बाइडेन विशेष रूप से इस बात से नाराज हैं कि उपराष्ट्रपति कमला हैरिस जिनका नाम खुद उन्होंने आगे बढ़ाया था। लेकिन हैरिस अपने भाषणों में उनका उल्लेख नहीं कर रही हैं। खासकर जब यह अर्थव्यवस्था के बारे में है, जो बिडेन का मानना घ्घ्घ्है कि अपने प्रयासों और नीतियों के कारण सही रास्ते पर हैं। बाइडेन ने जुलाई में अपने प्रतिद्वंद्वी और रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रम्प के खिलाफ बहस में पिछड़ने के बाद छोड़ दी। अपनी हताशा के बावजूद, सूत्रों ने एनबीसी न्यूज को बताया कि बाइडेन हैरिस की जीत के लिए उत्सुक हैं। उनका मानना घ्घ्है कि यह विकास उनकी विरासत और देश के लिए अच्छा होगा। और वह हर संभव तरीके से मदद करने की योजना बना रहा है। एनबीसी की रिपोर्ट में कहा गया है कि जुलाई में राष्ट्रपति पद का नामांकन प्राप्त करने के बाद, हैरिस ने चुनाव प्रचार के दौरान नियमित रूप से बिडेन का उल्लेख किया।

आर्थिक संकट से घिरे श्रीलंका को राहत, नई सरकार ने ऋण पुनर्गठन समझौते पर हस्ताक्षर किए

कोलंबो। श्रीलंका सरकार ने अपने सरकारी प्रतिभूति (वअमतमपहद ठवदकीवसकमते) धारकों के साथ लंबे समय से लंबित ऋण पुनर्गठन समझौते पर हस्ताक्षर कर दिए हैं, जो आर्थिक संकट से जूझ रहे द्वीप राष्ट्र के लिए एक बड़ी राहत है। शुक्रवार को श्रीलंका के वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि उन्होंने 19 सितंबर को अंतरराष्ट्रीय सॉवरेन बॉन्ड (आईएसबी) के अपने अंतरराष्ट्रीय और स्थानीय धारकों के प्रतिनिधियों के साथ एक समझौता किया है।

श्रीलंकाई अधिकारियों ने श्श्रीलंका की आधिकारिक ऋणदाता समिति (ओसीसी) और आईएमएफ (अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष) के साथ बातचीत पूरी कर ली है। यह घोषणा तब की गई जब राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के नेतृत्व वाली नई नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) सरकार ने गुरुवार और शुक्रवार को कोलंबो में आईएमएफ प्रतिनिधिमंडल के साथ हुई बातचीत के दौरान समझौते को स्वीकार करने की इच्छा व्यक्त की। दो दिनों की बातचीत के दौरान दिसानायके ने आईएमएफ की कुछ कठोर शर्तों को आसान करने की मांग को दोहराया। गौरतलब है कि मार्च 2023 में पूर्व की रानिल विक्रमासिंघे सरकार ने आईएमएफ के साथ ऋण पुनर्गठन समझौते के तहत 2.9 अरब डॉलर हासिल किए थे। इससे पहले श्रीलंका ने पहले ही विस्तारित निधि सुविधा के तहत लगभग 36 करोड़ अमरीकी डॉलर की तीन किश्तें प्राप्त की थीं। वॉशिंगटन स्थित आईएमएफ मुख्यालय ने 2 अगस्त को कहा था कि श्रीलंका के आर्थिक सुधार कार्यक्रम ने अच्छे परिणाम दिए हैं। गौरतलब है कि चुनाव से पहले एनपीपी ने आईएमएफ सौदे को 'मौत का जाल' कहा था और इस पर फिर से बातचीत करने का वादा किया था।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

जिस जगह जानलेवा हमला हुआ, उसी जगह फिर से रैली करेंगे डोनाल्ड ट्रंप, एलन मस्क भी रहेंगे मौजूद

वॉशिंगटन। शनिवार को डोनाल्ड ट्रंप फिर से एक बार उसी जगह पर रैली करने जा रहे हैं, जहां पर जुलाई में उन पर जानलेवा हमला हुआ था। अपनी सुरक्षा चिंताओं को दरकिनार करते हुए ट्रंप ने पेंसिल्वेनिया में रैली को संबोधित करने का वादा किया और कहा कि यह उनका दायित्व है। ट्रंप ने पेंसिल्वेलिया के बटलर में रैली को लेकर मजाक करते हुए कहा कि वह वहीं से शुरू करेंगे, जहां पिछली बार उनकी बात अधूरी रह गई थी।

पेंसिल्वेनिया की रैली के जरिए सुर्खियां बटोरने की कोशिश

पेंसिल्वेनिया की रैली में ट्रंप के साथ ओहायो के सीनेटर और उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जेडी वेंस और अरबपति कारोबारी एलन मस्क भी मौजूद रहेंगे। विभिन्न चुनावी सर्वे में डोनाल्ड ट्रंप, लोकप्रियता के मामले में डेमोक्रेट पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस के सामने पिछड़ रहे हैं। ऐसे में जब राष्ट्रपति चुनाव में एक महीने का ही समय बचा है तो ट्रंप पेंसिल्वेनिया की रैली को एक बड़ा इवेंट बनाकर सुर्खियां बटोरने की कोशिश कर सकते हैं। ट्रंप की पेंसिल्वेनिया की रैली में दस हजार से ज्यादा लोग शामिल हो सकते हैं। ट्रंप की रैली के चलते पेंसिल्वेनिया में होटल, मोटल आदि कथित तौर पर भरे हुए हैं और कुछ उत्साही समर्थक

शुक्रवार को ही रैली स्थल पर पहुंच गए।

जुलाई के हमले में मारे गए फायर फाइटर को करेंगे याद

ट्रम्प के चुनाव अभियान की प्रवक्ता कैरोलिन लेविट ने कहा, 'ट्रम्प उस दुखद दिन के पीड़ितों को सम्मानित करने के लिए बटलर, पेंसिल्वेनिया लौटने के लिए उत्सुक हैं। बटलर लौटने में राष्ट्रपति ट्रम्प के साथ पेंसिल्वेनिया के लोगों की इच्छा अमेरिकी लोगों की ताकत और जुझारूपन का प्रतिनिधित्व करती है।' ट्रम्प 13 जुलाई की रैली में मारे गए फायर फाइटर कोरी कॉम्पेरेटोरे को याद करेंगे और हमले में घायल हुए दो अन्य लोगों डेविड डच और जेम्स कोपेनहेवर को सम्मानित भी करेंगे। उल्लेखनीय है कि 13 जुलाई को पेंसिल्वेनिया के बटलर में बेथेल पार्क में ट्रंप की रैली के दौरान 20 साल के हमलावर थॉमस मैथ्यू क्रुक्स ने छत से ट्रंप को निशाना बनाते हुए गोली चलाई थी, लेकिन ट्रंप इस जानलेवा हमले में बाल–बाल बच गए थे और गोली उनके कान को छूते हुए निकली थी। इसके बाद ट्रंप की सुरक्षा में तैनात सीक्रेट सर्विस के एजेंट्स ने ट्रंप के हमलावर को मौके पर ही ढेर कर दिया था।

अलकायदा ने कुछ ही घंटों में 600 लोगों को मार दी थी गोली, उग्रवाद के खिलाफ सेना का दे रहे थे साथ

वागाडूगू। पश्चिमी अफ्रीका के बुर्किना फासो के बरसालोघो शहर में अगस्त में अलकायदा से जुड़े सदस्यों द्वारा किए गए हमले में कुछ ही घंटों के भीतर लगभग 600 लोगों की मौत हो गई थी। मरने वालों में ज्यादातर बच्चे और महिलाएं थीं। 24 अगस्त को खाई खोदने के दौरान बरसालोघे के निवासिओं की गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह पश्चिमी देश के इतिहास में सबसे भयानक हमलों में से एक था। दरअसल, अल–कायदा ने उग्रवाद के खिलाफ सेना का समर्थन न करने की चेतावनी दी थी।

एक ही झटके में 600 लोगों की मौत

माली के अल कायदा से संबंधित और बुर्किना फासो में सक्रिय जमात नुसरत अल–इस्लाम वाल–मुस्लिमीन (जेएनआईएम) के सदस्यों ने बाइक पर बारसालोघो के बाहरी इलाके में घुसते ही ग्रामीणों को गोली मार दी। संयुक्त राष्ट्र ने लगभग 200 लोगों की मौत का अनुमान लगाया था, लेकिन जेएनआईएम ने दावा किया कि उन्होंने 300 लड़ाकों को मार गिराया। फ्रांसीसी सरकार ने शुक्रवार को सुरक्षा आकलन का हवाला देते हुए 600 लोगों की मौत की पुष्टि की।

लोगों ने सुनाई आपबीती

एक व्यक्ति ने इस हमले को लेकर मीडिया बात की। उन्होंने बताया कि वह उन लोगों में शामिल था, जिन्हें सेना ने खाई खोदने के लिए कहा था। व्यक्ति ने बताया कि वह सुबह के 11 बजे जब उसने पहली बार गोली की आवाज सुनी तो वह शहर से चार किमी दूर था। उन्होंने कहा, मैं बचने के लिए खाई में रेंगने लगा। ऐसा लग रहा था कि हमलावर खाई का पीछा कर रहे थे, इसलिए मैं खाई से बाहर निकला और खून से लथपथ पीड़ित के पास आया। दरअसल, उस समय हर जगह खून ही थून था। हर जगह से चचीखने की आवाजें आ रही थी। मैं झाड़ियों में पेट के बल लेट गया। मैं दोपहर तक वहां छिपा रहा। इस हमले में अपने दो सदस्यों को खोने वाले पीड़ित ने बताया कि जेएनआईएम ने सभी को मार डाला। उन्होंने कहा, तीन दिनों तक हम शव एकत्रित करते रहे। हर जगह चीख पुकार मची हुई थी। हम डरे हुए थे। जमीन पर इतने सारे शव पड़े थे कि उन्हें दफनाना मुश्किल था। स्थानीय लोगों को सेना द्वारा शहर के चारों ओर एक विशाल खाई खोदने का आदेश दिया गया था, जिससे कि उन्हें जिहादियों से बचाया जा सके। जेएनआईएम ने नागरिकों को उग्रवाद के खिलाफ सेना का समर्थन न करने की चेतावनी दी थी। बता दें कि 2015 के संघर्ष के बाद से बुर्किना फासो में 20,000 से अधिक लोग मारे गए हैं, जबकि करीब 20 लाख लोग विस्थापित हुए हैं।

इजरायल के इस कदम से भारत हैरान, खुश हो गया था पाकिस्तान, तुरंत ही सुधारी भूल

ईरान और हिजबुल्लाह के साथ इजरायल की जंग लगातार बढ़ती ही जा रही है। लेकिन इसी बीच इजरायल से एक बड़ी गलती हो गई। हालांकि

अब इजरायल ने अपनी गलती में सुधार किया। जंग में फंसे इजरायल से ऐसा कुछ हो गया जिसने भारत और पाकिस्तान में हलचल पैदा कर दी। इजरायल ने पहली बार पीओके

का नाम लेकर पहली बार बड़ा फैसला किया है। दरअसल, इजरायल और हिजबुल्ला की जंग के बीच भारत में उसके राजदूत रावेन अजार ने कश्मीर को लेकर अपनी एक गलती मानी है। इजरायल के विदेश मंत्रालय ने अपनी सरकारी वेबसाइट पर भारत का एक ऐसा नक्शान लगा दिया, जिसने बवाल खड़ा कर दिया। इस नक्शे में पीओके को पाकिस्तान का हिस्सा बताया गया था। ये नक्शा देखते ही देखते सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। भारत के कई लोगों ने सोशल मीडिया पर इस नक्शे को शेयर करते हुए इजरायल से जवाब मांगना शुरू कर दिया। कई यूजर्स ने कहा कि हम तो हमेशा इजरायल के साथ खड़ो होते हैं, लेकिन इजरायल ने पीओके को पाकिस्तान का हिस्सा क्यों दिखा दिया? ये खबर जैसे ही भारत में तैनात इजरायली राजदूत तक पहुंची तो तुरंत एक्शन लिया गया। इजरायल के राजदूत ने तुरंत सरकारी वेबसाइट से ये गलत नक्शा हटा दिया। इजरायल ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा कि हमारे वेबसाइट एडिटर से ये गलती हुई है। लेकिन हमने इस गलती को सुधार लिया है। हमने इस गलत नक्शे को सुधार लिया है। इजरायल ने माना है कि पीओके सिर्फ भारत का ही हिस्सा है। यहां दिलचस्प बात ये है कि कई ऐसे देश ऐसे नक्शे का इस्तेमाल करते हैं जिसमें पीओके को पाकिस्तान का हिस्सा दिखाया जाता है। ये देश किसी की नहीं सुनते। लेकिन इजरायल ही ऐसा देश है जिसने सोशल मीडिया पर आम भारतीयों की नाराजगी से सबक लिया और तुंरत ही वो नक्शा हटा दिया जिसमें पीओके को पाकिस्तान का हिस्सा दिखाया गया था। इजरायल के अलावा रूस भी पीओके को भारत का हिस्सा दिखाता है। आपको बता दें कि इजरायल वो देश है जो कश्मीर के मुद्दे पर हमेशा भारत के साथ खड़ा रहता है।

नफरती भाई जान को मिला गीता का ज्ञान

पाकिस्तान में कट्टरपंथी जाकिर नाइक का हुआ जब सनातनी से सामना

नफरती बीज बोने वाला जाकिर नाइक गीता के दो श्लोक सुनकर सन्नाटे में चला गया। अपनी जहरीली तकरीरों में काफिर यानी गैर मुसलमानों के लिए भड़काऊं बातें करने वाला जाकिर नाइक हिंदू धर्म और देवी देवताओं पर सैकड़ों नफरती भाषण दे चुका है। कट्टरपंथी मौलानाओं के लिए जाकिर नाइक एक ऐसी ब्रेन वॉश मशीन है जिसका इस्तेमाल गैर मुसलमानों के लिए किया जाता है। लेकिन दुनियाभर में गैर मुसलमानों के खिलाफ जहर उगलने वाले जाकिर नाइक की बोलती एक हिंदू प्रोफेसर ने बंद कर दी। पाकिस्तान की कराची में ये सब हुआ और जाकिर नाइक कुश बोल भी नहीं पाया। कट्टरपंथी शख्स जो हिंदुओं के खिलाफ नफरत के बीज बोता रहा है उसे गीता का ज्ञान मिल गया। ये तो आपको पता है कि बीते दो दिनों से जाकिर नाइक पाकिस्तान में है। जिन्नालैंड के अलग अलग हिस्सों में घूम घूम कर मजहबी एजेंडा चला रहा है। जाकिर नाइक ने मंच पर अनाथ बच्चियों को बेटी कहने पर नाराजगी जाहिर कर अपनी कट्टरपंथी सोच का इजहार कर दिया। एक तरफ जाकिर नाइक पाकिस्तान में अपनी कट्टरपंथी सोच को हवा दे रहा है, वहीं दूसरी तरफ पाकिस्तान में पूरी की पूरी जम्हूरियत उसके चरणों में नतमस्तक है। पीएम हाउस और नेशनल असेंबली में जाकिर नाइक की मेहमाननवाजी हो रही है। कल तक जाकिर कुरान को ही पाकिस्तान का संविधान बता रहा था और शरिया को देश का कानून। अब पाकिस्तान में खड़े होकर एक सनातनी ने जाकिर नाइक की कट्टरपंथी सोच पर जोरदार तमाचा जड़ा है। दरअसल, एक कार्यक्रम में जाकिर नाइक शामिल हुआ था। उसी कार्यक्रम में मनोज चव्हाण नाम के प्रोफेसर भी थे। इन्होंने गीता के श्लोक पढ़ते हुए जाकिर नाइक से कुछ ऐसे सवाल पूछे जिनका जवाब जाकिर दे नहीं पाया। प्रोफेसर मनोज ने मजहब के नाम पर दुनिया में जारी हिंसा पर सवाल खड़े किए।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

इमरान की पार्टी के प्रदर्शन के बीच सेना की तैनाती, एससीओ समिट के लिए कानून-व्यवस्था पर शहबाज का फोकस

इस्लामाबाद। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान कहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) की विरोध प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इस्लामाबाद में सेना के जवानों को तैनात किया गया है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सरकार ने बताया कि संविधान के अनुच्छेद 245 के तहत सेना के जवान आगामी शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन के लिए पांच से 17 अक्तूबर तक शहर में ही रहेंगे। बता दें कि पाकिस्तान 15–16 अक्तूबर को एससीओ शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने वाला है।

इस्लामाबाद में सेना के जवानों की तैनाती

खाबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर के नेतृत्व में पीटीआई के समर्थक इस प्रदर्शन में शामिल होने के लिए डी–चौक पहुंचे, जिसके बाद ही सेना के जवानों को वहां तैनात किया गया। दरअसल, पीटीआई समर्थक इमरान खान की रिहाई की मांग कर रहे हैं। पूर्व पीएम इमरान खान ने पाकिस्तान सरकार के आह्वान के बावजूद प्रदर्शन को स्थगित करने से इनकार कर दिया था। खैबर पख्तूनख्वा के सीएम के सूचना सलाहकार मुहम्मद अली सैफ ने कहा कि इस्लामाबाद में पीटीआई के प्रदर्शन को रोकने के लिए सेना को तैनात किया गया है। पिछले महीने इमरान समेत तीन नेताओं के खिलाफ दर्ज हुए थे नए मामले

पिछले महीने इमरान खान के खिलाफ रावलपिंडी के लियाकत बाग इलाके में उनकी पार्टी द्वारा किए गए विरोध प्रदर्शन के बाद तीन मामले दर्ज किए गए थे। इमरान के अलावा अली अमीन गंडापुर और पीटीआई के चेयरमैन बैरिस्टर गोहर खान के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया। उनपर हत्या का प्रयास, धारा 144 का उल्लंघन और आतंकवाद से संबंधित अपराधों के आरोप लगाया गया है। बता दें कि पूर्व पीएम इमरान खान को पिछले साल पांच अगस्त को गिरफ्तार किया गया था। उन्हें चुनाव आयोग द्वारा पहले तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले में दोषी ठहराया गया था। इसके बाद से ही वह जेल में बंद हैं।